वर्ष : 16 ❖ अंक : 129 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 17 दिसम्बर 2021

मेट्रो मैन श्रीधरन ने बीजेपी छोड़ राजनीति से लिया संन्यास 3 | एक क्रिमिनल को बचा रहे हैं पीएम : प्रियंका 8

सीएम ने एसयू निर्माण का लिया जायजा

निर्माण में तेजी लाने के लिए की जा रही है पहल : गोले

जगन दाहाल

गंगटोक, 16 दिसम्बर । राज्य के मुख्यमंत्री पीएस गोले ने आज अपर यांगगांग में निर्माणाधीन सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय (एसयू) का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष एलबी दास, क्षेत्र विधायक राजकुमारी थापा, मंत्रिमंडल के सदस्य, सिक्किम विश्वविद्यालय के उपकुलपति अविनाश खरे, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय यांगगांग में करीब 265 एकड़ जमीन पर बन रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक निर्माण कार्य के प्रथम चरण में प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय और संकाय भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही दूसरे चरण के निर्माण कार्य के लिए टेंडर किया गया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

भ्रमण के दौरान उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने सिक्किम विश्वविद्यालय निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार से पहल करने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि वह आगामी 29 दिसंबर को दिल्ली जा रहे हैं। वह दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के विषय में बात करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह विश्वविद्यालय करीब 14 सालों से गंगटोक परिसर में किराए के मकान में संचालित है। इसके कारण यांगगांग के जनता को नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब विश्वविद्यालय अपने कैंपस को यांगगांग में स्थानांतरित करने की पहल शुरू कर सकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय को ननलैब (जिन विभागों को लैब की जरूरत ना हो) विभाग को यांगगांग में स्थानांतरित करने की सलाह दी।

उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय निर्माण कार्य सुंदर तरीके से किया जा रहा है, लेकिन विश्वविद्यालय स्थानांतरित करने की स्थिति अभी नहीं है। विश्वविद्यालय और राज्य सरकार मिलकर इसे जल्द से जल्द स्थानांतरित करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय को सलाह दी कि ननलैब डिपार्टमेंट स्थानांतरित करने पर विचार करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थानीय लोगों की मांग और क्षेत्र विधायक के कहने पर वह खुद इस निर्माण कार्य के भ्रमण में आए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग के अनुरूप जल्द ही इसे स्थानांतरित करने का कार्य किया जाएगा।

दूसरी ओर मुख्यमंत्री गोले ने विश्वविद्यालय के लिए पेयजल, आवश्यक सड़क मार्ग और बिजली व्यवस्था के लिए जल्द से जल्द कार्य करने का विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यांगगांग स्थानांतरित करने पर क्षेत्र वासियों का भी सकारात्मक सहयोग मिलना चाहिए।

अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. अविनाश खरे ने कहा कि विश्वविद्यालय पक्ष भी इसे अपने मूल कैंपस में स्थानांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में काम भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय यहां आने से स्थानीय लोगों को फायदा होगा।

उल्लेखनीय है कि 2007 से गंगटोक के विभिन्न निजी भवनों में संचालित सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुल 32 विभाग संचालित हैं। विश्वविद्यालय से फिलहाल 2300 विद्यार्थी और 14 सरकारी कॉलेज और 4 निजी कॉलेज संबद्ध हैं, जिसमें करीब 13 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इसके साथ ही जानकारी मिली है कि यह विश्वविद्यालय लिम्बू, लेप्चा और भूटिया भाषाओं में स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी की सुविधा देने वाला दुनिया का एकमात्र विश्वविद्यालय है।

छात्रों पर अदालत के निर्णय ने कानून पर विश्वास कायम रखा : पासांग शेरपा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 दिसम्बर । गेजिंग सरकारी कालेज से निष्कासित चार छात्रों के पक्ष में सिक्किम उच्च न्यायालय के कानूनी फैसले को लेकर सिक्किम नागरिक समाज ने संतुष्टि प्रकट की है।

सिक्किम नागरिक समाज के महासचिव पासांग शेरपा ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि गेजिंग कालेज से निष्कासित चार छात्रों के निष्कासन आदेश को रद्द करने से कानून और मानवता पर आम लोगों का विश्वास बहाल हुआ है। इसके लिए सिक्किम नागरिक समाज सिक्किम उच्च न्यायालय का ऋणी है।

उन्होंने कहा कि यह एसकेएम सरकार के अत्याचार पर आम सिक्किमी की जीत है। चार छात्रों का निष्कासन एसकेएम सरकार का एक अहंकारी निर्णय था जिसके कारण छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ा। पद और शक्ति से अंधे एसकेएम सरकार ने उन छात्रों के खिलाफ निष्कासन आदेश को वापस लेने की मांग करने वाले व्यक्तियों, छात्रों, संगठनों और राजनीतिक दलों के द्वारा दी गई दलीलों पर कोई ध्यान नहीं दिया और एसकेएम सरकार ने उन निर्दोष छात्रों को आतंकवादी करार दे दिया। हालांकि, हाईकोर्ट के फैसले से न केवल चार छात्रों को बल्कि सिक्किम के पूरे कानून का पालन करने वाले नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

उन्होंने उल्लेख किया कि हम छात्रों को उनकी जीत के लिए बधाई देते हैं और उन सभी व्यक्तियों और संगठनों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने छात्रों के साथ खड़े रहकर उनका समर्थन किया।

अब सिक्किम नागरिक समाज गरीब छात्रों का भविष्य बर्बाद करने के लिए शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा, राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, एसीएस जीपी उपाध्याय और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि नागरिक समाज उम्मीद करता है कि एसकेएम सरकार को अपनी गलती का एहसास होगा और उन छात्रों को हुए हर नुकसान की भरपाई उचित और सही तरीके से होगी।

राज्यपाल ने किया चिल्ड्रेन पार्क का उद्घाटन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 दिसम्बर । राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आजादी के अमृत महोत्सव के अतर्गत 50वें विजय दिवस उत्सव के अवसर पर राजभवन परिसर में चिल्ड्रन पार्क का उद्घाटन किया एवं सम्मान समारोह में लोगों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यपाल को राज सैनिक बोर्ड की ओर से स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। साथ ही राज्यपाल द्वारा राजभवन के रक्तदाताओं एवं 1971 युद्ध के दिग्गजों को सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण राज्यपाल के सचिव राज यादव दिया।

इस अवसर पर राज्यसैनिक बोर्ड के सचिव ने भारत-पाकिस्तान युद्ध 1971 का इतिहास प्रस्तुत किया। संस्कृति विभाग की वरिष्ठ कलाकार श्रीमती सोनम डोमा भूटिया एवं उनके टीम ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन राज्य सैनिक बोर्ड के सदस्य एसएल घिमिरे द्वारा किया गया।

सभा में राज्यपाल गंगा प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि चिल्ड्रन पार्क का उद्घाटन बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर किया गया है। बच्चे के हर प्रकार के विकास यानि मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए खेलकूद आवश्यक है, बच्चे देश का भविष्य हैं, अत: इनके स्वास्थ्य की रक्षा करना, देश निर्माण में सक्रिय भूमिका जैसा है, आगे उन्होंने सभी से मिलकर देश हित के कार्यों में संलग्न रहकर मिलकर काम करने का आह्वान किया।

राज्यपाल द्वारा राज्य सैनिक बोर्ड, आईटीबीपी एवं राजभवन परिवार के सभी सदस्यों को गिफ्टहैम्पर प्रदान किए गए। साथ ही राज्य सैनिक बोर्ड के दस सदस्यों का सम्मान प्रशस्तिपत्र तथा कैश पुरस्कार देकर किया गया। राजभवन के सदस्यों जिन्होंने रक्तदान किया था उनको भी गिफ्टहैम्परर्स प्रदान किए गए।

स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला करने वाले को मिले कड़ी सजा : डॉ. राजू गिरी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 दिसम्बर । राजधानी गंगटोक परिसर स्थित नए एसटीएनएम अस्पताल की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (सिक्किम) ने आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाही की मांग की है।

भाजपा, सिक्किम के प्रवक्ता डा. राजू गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कहा एसटीएनएम के स्वास्थ्य कर्मियों पर दिनदहाड़े प्राणघातक आक्रमण हुआ है। इस घटना में डा. संजय उप्रेती और एक कर्मचारी कला छेत्री गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना की पार्टी की तरफ से भर्त्सना करते हुए उन्होंने आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दोनों पीड़ितों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

उन्होंने आगे उल्लेख किया कि राजधानी गंगटोक में विगत कुछ हफ्ते पहले भी एक घटना घटी थी, जिसमें दो व्यक्ति की एमजी मार्ग पर जान चली गई थी। सिक्किम जैसे शांतिप्रिय राज्य में दिन प्रतिदिन घटनाओं में वृद्धि होना समाज तथा राज्य के लिए चिंता का विषय है। छोटे-मोटे विषय पर किसी का प्राण लेना यह पर्यटकों के लिए आकर्षक राज्य की छवि को धूमिल बनाने का कार्य है।

उन्होंने लिखा कि इसके लिए भाजपा राज्य सरकार तथा प्रशासन से ऐसी घटनाओं पर पूर्णविराम लगाकर सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का आग्रह करता है। उन्होंने मांग की कि सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना, नियंत्रण कक्ष की स्थापना साथ ही बाजार क्षेत्रों में सुरक्षाकर्मियों की गस्ती को सशक्त बनाना आवश्यक है। दूसरी ओर समाज में बढ़ते नशीले पदार्थ की अवैध व्यापार पर भी भाजपा ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने इसकी रोकथाम के लिए कड़े कानून की आवश्यकता पर बल दिया।

असहिष्णु हो रहा है हमारा समाज : डॉ. वीणा बस्नेत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 दिसम्बर । एसटीएनएम अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मियों पर हुए हमले की घटना पर हाम्रो सिक्किम पार्टी की अध्यक्ष डॉ. वीणा बस्नेत ने घोर आपत्ति जताई है।

उन्होंने आज एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए उल्लेख किया है कि अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य देखभाल के लिए तैनात डॉक्टर और कर्मचारी पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना से हाम्रो सिक्किम पार्टी (एचएसपी) दुखी है। अपनी शांति और अमन के लिए जाना जाने वाला सिक्किम विपरीत दिशा की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने उल्लेख किया है कि यह पूरे सिक्किमी समाज के लिए आत्मनिरीक्षण करने और खुद से पूछने का समय है कि हम कितने असहिष्णु और हिंसक समाज में बदल रहे हैं। इसे कम करने के लिए सामूहिक रूप से क्या कर सकते हैं इस विषय पर सोचने का दिन है। यह घटना हमारे लोगों में जिस तरह की आक्रामकता और हताशा पैदा कर रही है, उसमें मादक पदार्थ सेवन और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की प्रमुख भूमिका है। एचएसपी लंबे समय से इस बात पर जोर दे रहा है कि आज के समय में हमारे स्वास्थ्य देखभाल करने वालों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने ऐसी घटनाओं को लेकर स्थानीय नागरिकों में जागरुकता की आवश्यकता पर जोर दिया।

विधायक डी.आर. थापा ने अस्पताल में हमले की निंदा की

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 दिसम्बर । अपर बुर्तुक विधायक डीआर थापा ने एसटीएनएम अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मियों पर हुए हमले की भर्त्सना की है। उन्होंने दोनों पीड़ितों डा संजय उप्रेती और कला छेत्री के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। दोनों अभी सिलीगुड़ी के एक अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

एक विज्ञप्ती में विधायक थापा ने कहा कि अस्पताल जैसे सर्वाजनिक स्थान पर दिन में इस प्रकार के आक्रमण से सभी स्तब्ध हैं। उन्होंने सम्पूर्ण अस्पताल के सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों से एक होकर सरकार से सुरक्षित वातावरण मुहैया कराने की सरकार से मांग करने का भी आह्वान किया।

विधायक थापा ने कहा कि यह इस घटना ने सरकारी अस्पताल की सुरक्षा पर सवाल खड़ा किया है।

सरकार इस प्रकार की निंदनीय घटना को कैसे रोकेगी और भविष्य में जनता की सुरक्षा के लिए किस प्रकार का कदम उठाएगी यह सरकार को तय करना होगा। इसके अलावा, उन्होंने अस्पताल में चिकित्सा सुविधा को और बेहतर करने और इस प्रकार के गंभीर और आपात रोगियों के उपचार की व्यवस्था करने की मांग भी की।

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिन्ता व्यक्त करते हुए उन्होंने सरकार से तत्काल इस दिशा में कदम उठाने का अनुरोध किया जिससे कि राज्य की जनता फिर से खुद को सुरक्षित महसूस करें।

किसानों के जाने के बाद एनएच-24 पर दौड़ने लगी गाड़ियां

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। कृषि से जुड़ी कई मांगों पर किसानों का आंदोलन खत्म होते ही करीब एक साल बाद गाजीपुर बॉर्डर, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर फिर से गाड़ियां दौड़ने लगी हैं।

हालांकि अभी उस संख्या में गाड़ियां नहीं चल रहीं।

नेशनल हाइवे ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया के कर्मचारियों द्वारा हाइवे की सफाई की जा रही है। वहीं अन्य समस्याओं पर भी काम किया जा रहा है।

गुरुवार सुबह हाइवे पर गाड़ियां दौड़ने के सिलसिला शुरू हुआ और धीरे-धीरे गाड़ियों की संख्या हाइवे पर बढ़ गई।

इसके अलावा हाइवे से निकलते ही टोल प्लाजा जो एक साल से बंद था, वो भी फिर से शुरू हो गया है और हाइवे से गुजरने वाली गाड़ियों की पर्चियां भी कटने लगी हैं।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद प्रसाशन कोशिश कर रहा है कि आज शाम तक एक बार फिर पूर्ण रूप से हाइवे को खोल दिया जाए। ताकि लोग सामान्य रूप से आवाजाही कर सकें।

दरअसल दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे नेशनल हाइवे 24 और 9 पर किसान बीते एक साल से बैठे हुए थे, जो अब जा चुके हैं। इसके बाद नोएडा और गाजियाबाद से दिल्ली दफ्तर जाने वाले लोगों को अब लंबे जाम से नहीं जूझना पड़ेगा और अब एक बार फिर लोग आराम से दिल्ली जा सकेंगे।

विद्यार्थियों को आतंकवादी करार देने के लिए जैकब खालिंग मांगें माफी : राम गुरुंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 दिसम्बर । गेजिंग कॉलेज से निष्कासित छात्रों के हित में आए सिक्किम उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर एसडीएफ पार्टी ने इसे राज्य के छात्रों के लिए जीत का दिन बताया है।

एसडीएफ पार्टी विद्यार्थी मोर्चा के कार्यकारी सदस्य राम गुरुंग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि गेजिंग कॉलेज से चार छात्रों को निष्कासित कर दिया गया था, जिन्होंने लंबी लड़ाई के बाद उच्च न्यायालय में अपना मुकदमा जीत लिया है। उन्होंने लिखा है कि उच्च न्यायालय ने पाया है कि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पूर्ण उल्लंघन था और इसके साथ ही चारों छात्र प्रवीण बस्नेत, प्रवीण उप्रेती, नकुल शर्मा और लोकेंद्र अधिकारी का निष्कासन रद्द कर दिया है। एसडीएफ विद्यार्थी मोर्चा ने इस पर विद्यार्थियों को बधाई दी है।

उन्होंने लिखा कि छात्रों ने कानूनी लड़ाई जीत ली है, फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य के सभी कोने से हंगामे के बावजूद छात्रों के निष्कासन पर सरकार ने अपना रुख नहीं बदला। सरकार अब तक चारों छात्रों के मामले में चुप है।

उन्होंने मांग की कि एसकेएम पार्टी के प्रवक्ता तथा मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग को छात्रों को राष्ट्र विरोधी और आतंकवादी करार देने के लिए उनसे माफी मांगनी होगी। उन्होंने बताया है कि एसकेएम सरकार पर यह धब्बा हमेशा बना रहेगा और निष्कासन हमेशा के लिए शिक्षा विरोधी पार्टी का एक सन्दर्भ बिंदु होगा। एसकेएम सरकार द्वारा छात्रों के कठोर और अनुचित व्यवहार के बावजूद छात्रों ने अपनी लड़ाई जीत ली है।

ग्रामीण खेलकूद व शैक्षिक कार्यक्रम का शुभारंभ

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 16 दिसम्बर । एक सप्ताह तक चलने वाले ग्रामीण खेलकूद एवं शैक्षिक कार्यक्रम का आज उद्घाटन किया गया। यांगथांग निर्वाचन क्षेत्र के लिंग्चोम-तिक्जेक ग्राम पन्चायत इकाइ की ओर से क्षेत्र के बच्चों को मंच प्रदान करने के लिए विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रम जैसे-तर्क प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, चित्रकला आदि जैसे कार्यक्रमों के साथ ही वार्ड स्तर पर ओपन विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताएं भी इस दौरान आयोजित की जाएंगी।

यहां के तिक्जेक प्राथमिक पाठशाला के खेल मैदान में आज से शुरु हुए कार्यक्रम का उद्घाटन सिडिको अध्यक्ष जनक गुरुंग ने किया। आगामी 22 दिसंबर को मन्त्री भीमहांग सुब्बा कार्यक्रम का समापन समारोह में शामिल होंगे। पंचायत अध्यक्ष फुलमान लिम्बू ने बताया कि बच्चे इस साप्ताहिक कार्यक्रम में जल संरक्षण, पंचायती राज प्रणाली, स्वास्थ और स्वच्छ भारत अभियान, मौसम परिवर्तन आदि जैसे विषयों पर तर्क करेंगे, निबंद और लेख प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के प्रत्येक दिन नारी और पुरुष दोनों वर्ग में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता संपन्न होगी। कार्यक्रम सीनियर और जूनियर वर्ग भी विभाजित रहेंगे। सुब्बा ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण बच्चों की पढ़ाई को काफी नुकसान हो रहा है इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इससे पहले ग्राम पंचायत इकाइ के ग्रामीण सफाइ अभियान के सप्ताह व्यापी कार्यक्रम का आज समापन किया गया। लिंग्चोम-तेक्जेक ग्राम पन्चायत इकाइ की ओर से तैयार वार्षिक कैलेंडर के मुताबिक इस ग्रामीण सफाई अभियान के बाद शैक्षिक तथा खेलकूद काग्रक्रम की शुरुआत की गई है।

परिवार नहीं देश और समाज के लिए राजनीति करती है बीजेपी : स्वतंत्रदेव

देवरिया, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी परिवार के लिए नहीं, देश व समाज के लिए राजनीति करती है। जिस श्रीनगर के चौक पर आजादी के 70 वर्षों बाद तक कोई भारत का झंडा नही फहरा सका, वहां नरेन्द्र मोदी ने भारतीय ध्वज फहराने का काम किया। प्रदेश में योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद से अपराधी व गुंडे प्रदेश छोड़कर भाग गए और माफिया जेल से बाहर निकलना नहीं चाह रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष गुरुवार को गौरीबाजार के चन्द्रशेखर आजाद इंटर कालेज में पूर्व विधायक स्व. प्रमोद सिंह की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि व संकल्प सभा में बोल रहे थे। उन्होनें मोदी व योगी सरकार के कार्यों की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि मोदी विश्व के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिनकी मां व परिवार का कोई सदस्य प्रधानमंत्री आवास में नहीं गया। लोग परिवार व जाति की खुशी के लिए दल चलाते हैं, लेकिन हम गरीबों की खुशहाली, भारत माता की जय और लोग वन्देमातरम बोल सकें, इसके लिए दल चलाते हैं। देश में जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद, व्यक्तिवाद, वंशवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद की चिंता करने वाला नेता केवल नरेंद्र मोदी है और दल केवल भाजपा है। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पहले चीन जाने पर देश के नेताओं को कोई अहमियत नहीं मिलती थी, लेकिन मोदी के जाने पर भारत माता की जय व वंदेमातरम गूंजता है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग जिन्ना का नाम लेते हैं, लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि अब प्रदेश के लोग जिन्ना के नाम पर लड़ने वाले नही हैं। अब लोग विकास और गरीबों की खुशहाली के लिए लड़ेंगे। मोदी और योगी के प्रति जनता के विश्वास के बल पर 2022 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। इसके पहले प्रदेश अध्यक्ष सिंह ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित किया। पूर्व विधायक स्व. प्रमोद सिंह व ग्रुप कैप्टन वरूण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये खर्च कर देने के बाद भी दुनिया के लोग काशी विश्वनाथ को ठीक से देख नहीं पाते, लेकिन काम के साथ ही मोदी ने इतना प्रचार-प्रसार कर दिया कि काशी और पूरे पूर्वांचल में लाखों-करोडों लोग आएंगे। इससे ठेले, रिक्शे वालों से लेकर होटल चलाने वाले लोगों को भी लाभ मिलेगा। रोजगार मिलेगा और खुशहाली आएगी।

राहुल गांधी की रैली में जनरल रावत का कटआउट, कांग्रेस-बीजेपी में छिड़ी नई जंग

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। हाल ही में हेलीकॉप्टर हादसे में जान गंवाने वाले देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) को लेकर अब बीजेपी और कांग्रेस में नई जंग छिड़ गई है। देहरादून में गुरुवार को राहुल गांधी की विजय सम्मान रैली में जनरल रावत का कटआउट दिखने के बाद बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी और इंदिरा गांधी के साथ लगे रावत के कटआउट पर आपत्ति जाहिर करते हुए बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस राज्य में चुनाव से पहले सीडीएस को 'राजनीतिक टूल' बनाना चाहती है। वहीं, कांग्रेस ने कहा है किक राहुल गांधी की यह रैली राजनीतिक नहीं थी, बल्कि 1971 युद्ध में भारत की जीत के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए इसका आयोजन किया गया था।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहनाज पूनावाला ने ट्विटर पर लिखा कि ना केवल जनरल रावत के कटआउट का इस्तेमाल किया गया, बल्कि शहीद सैनिकों के साथ राहुल गांधी की हंसते हुए फोटो भी लगाई गई थी।

उन्होंने लिखा, ''बेशर्म कांग्रेस ने श्रद्धांजलि दीवार पर शहीदों के साथ राहुल गांधी की तस्वीर लगाई। परिवार भक्ति के बिना वे सैनिकों का सम्मान भी नहीं कर सकते? शहीदों का अपमान। सैनिकों का अपमान कांग्रेस के डीएनए में है। उन्होंने बिपिन रावत को जी 'सड़क का गुंडा' कहा था।

बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक अन्य पोस्ट को ट्विटर पर साझा किया, जिसमें भारत के सुरक्षाबलों को लेकर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाया गया है। मालवीय ने लिखा, ''उत्तराखंड ने कांग्रेस और राहुल गांधी का पाखंड बताया, रैली स्थल के रास्ते में इन पोस्टरों के साथ स्वागत किया। कांग्रेस को इस बात का अहसास होना चाहिए कि वे हमारे वर्दीधारियों का अपमान करके उनके नाम पर राजनीतिक लाभ नहीं उठा सकते हैं। धिक्कार है ऐसी घटिया राजनीति पर।''

8 दिसंबर को जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 11 अन्य सैन्यकर्मियों की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई थी।

घटना में एकमात्र जीवित बचे वायु सैनिक ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह ने भी बुधवार को बेंगलुरु के सैन्य अस्पताल में अंतिम सांस ली। जनरल रावत बीजेपी और कांग्रेस के बीच पहले ही आरोप-प्रत्यारोप की वजह बन गए हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर कांग्रेस पर रक्षा कर्मियों की मौत के बाद 'जश्न मनाने' का आरोप लगाया। धामी ने कहा कि जब देश शोक में था, प्रियंका गांधी गोवा में चुनाव प्रचार के लिए आदिवासी महिलाओं के साथ डांस कर रही थीं।

तबलीगी जमात और निजामुद्दीन मरकज पर लगाए जाए प्रतिबंध: विहिप

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने तबलीगी जमात व उसके निजामुद्दीन मरकज को इस्लामिक कट्टरपंथ की फैक्ट्री और वैश्विक आतंकवाद का पोषक बताते हुए इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। विहिप की ओर से गुरुवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में विहिप के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने बयान दिया कि तबलीगी जमात के कृत्य विश्व के लिए गम्भीर खतरा है।

विश्व हिंदू परिषद ने सऊदी सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का स्वागत करते हुए कहा कि लोगों का जीवन संकट में डालने वाले तबलीगी जमात के आर्थिक श्रोतों का पता लगाकर उसके बेंक खातों, कार्यालयों व कार्यकलापों पर भारत सहित सम्पूर्ण विश्व समुदाय द्वारा अविलम्ब प्रतिबंध लगाया जाए।

विहिप के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि यह इस्लामिक कट्टरवादी संगठन रूस समेत विश्व के अनेक देशों में पहले से ही प्रतिबंधित है। इसके बावजूद सऊदी सरकार के इस निर्णय के स्वागत की जगह कुछ भारतीय अल्पसंख्यक संस्थाओं द्वारा विरोध किए जाने से आतंक-पोषण में उनकी भूमिका स्पष्ट होती है। वास्तव में दारुल उलूम देवबंद ही तो उसका जन्मदाता है। उन्होंने कहा कि 1926 में निजामुद्दीन से प्रारंभ तबलीग, हरियाणा के मेवात में धर्मांतरण की सफलता से उत्साहित होकर आज विश्व के 100 से अधिक देशों में करोड़ों लोगों को अपनी मानसिकता से संक्रमित कर उनका जीवन संकट में डाल चुकी है।

विहिप कार्याध्यक्ष ने कहा, 'देश के अनेक मस्जिदों , मदरसों व जिहादियों की बस्तियों में बरामद गोले-बारूद व पकड़े गए आतंकी कहीं ना कहीं इसी मानसिकता के थे। विश्व के अधिकांश आतंकी संगठनों को प्रारंभ करने वाले भी तबलीग से जुड़े रहे हैं। अमेरिकी ट्रेड सेंटर के हत्यारों से लेकर गोधरा में 59 लोगों को जिंदा जलाने तथा स्वामी श्रद्धानंद की हत्या करने वाला युवक का उर्स मनाने वालों के मरकज से सम्बन्ध जग-जाहिर हैं।'

चंडीगढ़ पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त

कहा- निष्पक्ष व शांतिपूर्ण होंगे पंजाब चुनाव, बाधा पहुंचाने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। पंजाब विधानसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होगा। चुनाव आयोग ने इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह बात चंडीगढ़ में पंजाब की चुनाव तैयारियों की समीक्षा करने पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान कही। समीक्षा बैठक में सभी जिलों के चुनाव अधिकारी, उपायुक्त व एसएसपी मौजूद रहे। निर्वाचन आयोग की टीम ने राजनीतिक दलों से मुलाकात भी की।

मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि आयोग की इस मुहिम में जो भी अधिकारी बाधा पैदा करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ आयोग सख्त कदम उठाएगा। इस दौरान उन्होंने मतदान जागरूकता को लेकर कई गतिविधियों का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि इस चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाना लक्ष्य है। इसके लिए आयोग की ओर से एलईडी और आडियो सिस्टम से लैस कुल 30 मोबाइल वैन मतदाता जागरूकता और पंजीकरण, नैतिक मतदान और ईवीएम-वीवीपीएटी समेत विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राज्य भर में चलाई जाएंगी।

सूबे के बड़े जिलों को दो-दो वैन मिलेंगी, जबकि छोटे जिलों को एक-एक वैन दी जाएंगी। दिल्ली से आयोग की टीम ने पहली बार कार्यक्रम के दौरान वोट डालने वाले, दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं और ट्रांसजेंडर सहित विभिन्न वर्गों के मतदाताओं के साथ बातचीत की। आयोग ने इन मतदाताओं को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में पंजाबी बोलियां और तालियों की गूंज और गिद्दा प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुशील चंद्रा ने चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और अनूप चंद्र पांडे के साथ आज मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदाता जागरूकता वैन को राज्य में हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. एस करुणा राजू भी उपस्थित रहे।

आयोग ने जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान युवाओं को साथ जोड़ने के लिए एक ऑनलाइन पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता भी शुरू की। शीर्ष तीन पोस्टरों को क्रमश: 10000, 7500 और 5000 रुपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। 2000 के 10 सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे। यह प्रतियोगिता फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम समेत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर करवाई जाएगी।

यह पहली बार है कि नए पंजीकृत मतदाताओं के लिए एक यादगार अनुभव बनाने के लिए आयोग द्वारा एक किट दी जा रही है, जिसमें ईपीआईसी कार्ड, वोटर वचनबद्धता, वोटर गाइड और डीईओ से एक व्यक्तिगत पत्र शामिल हैं। वोटर गाइड एक पॉकेट बुकलैट है, जिसको हर घर में बांटा जाएगा। ईवीएम, वीवीपीएटी पर एक विशेष पोस्टर लांच किया गया, जो राज्यभर में सभी भीड़भाड़ वाले स्थानों और मतदान केंद्रों पर लगाया जाएगा।

एचएएल का बीईएल के साथ सबसे बड़ा सौदा, अत्याधुनिक प्रणालियों से लैस होगा लड़ाकू विमान तेजस

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। हिंदुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2,400 करोड़ रुपये के एक सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत बेंगलुरु में हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1ए कार्यक्रम के लिए 20 प्रकार की प्रणालियों का विकास और आपूर्ति की जाएगी। आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए एचएएल द्वारा किसी भारतीय कंपनी को दिया गया यह सबसे बड़ा ऑर्डर है।

साल 2023 से 2028 तक के इस अनुबंध में क्रिटिकल एवियोनिक्स लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स (एलआरयू), फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर्स और नाइट फ्लाइंग एलआरयू की आपूर्ति शामिल है। एचएएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर आर. माधवन ने कहा कि एलसीए तेजस कार्यक्रम एचएएल जैसे भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और बीईएल के बीच तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है।

माधवन ने कहा कि एचएएल स्वदेशी उत्पादों के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं, बीईएल के सीएमडी आनंदी रामलिंगम ने कहा कि हमें प्रतिष्ठित एलसीए तेजस कार्यक्रम के लिए एचएएल से ऑर्डर मिलने की बेहद खुशी है और हम एचएएल के साथ मजबूत भागेदारी और संयुक्त सफलता कायम रखने के प्रति आशान्वित हैं।

83 तेजस एमके1ए के लिए इन प्रणालियों की आपूर्ति के ऑर्डर को बेंगलुरु और पंचकुला स्थित बीईएल की दो डिवीजनों द्वारा पूरा किया जाएगा। अनुबंध में शामिल सभी सामग्री बीईएल द्वारा एचएएल को लगाने के लिए तैयार हालत में दी जाएंगी।

83 तेजस एमके1ए आर्डर के तहत वायुसेना को आपूर्ति वित्त वर्ष 2023-24 से शुरू होगी। ये विमान स्वदेशी फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर्स और एयर डाटा कंप्यूटर्स से लैस होंगे जिनकी आपूर्ति भी इसी अनुबंध के तहत बीईएल द्वारा की जाएगी। इन प्रणालियों का डिजाइन और विकास डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और बेंगलुरु स्थित एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी ने किया है।

दिल्ली में ओमिक्रॉन का कहर, अब तक 10 मरीज

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरूवार को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में अभी तक कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के 10 मामले सामने आए हैं और संदेह के आधार पर 40 लोगों को लोकनायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल में भर्ती कराए गए 40 लोगों में से 38 कोरोना वायरस से संक्रमित हैं।

जैन ने पत्रकारों से कहा, दिल्ली में अभी तक ओमिक्रॉन स्वरूप के 10 मामले सामने आए हैं। इनमें से एक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। मंत्री ने बताया कि कई अंतरराष्ट्रीय यात्री इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ऐसे आठ लोगों को आज (गुरूवार को) ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जैन ने मंगलवार को कहा था कि ओमिक्रॉन के मामले अभी सामुदायिक स्तर पर नहीं फैले हैं और स्थिति अभी नियंत्रण में है। ओमीक्रोन के सभी मरीजों की हालत भी स्थिर है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाए गए पहले व्यक्ति को एलएनजेपी अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। तंजानिया से दो दिसंबर को दिल्ली लौटे 37 वर्षीय व्यक्ति इससे संक्रमित पाए गए थे, जबकि उनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका था।

देश के लिए 32 गोलियां झेलने वाली इंदिरा गांधी का नाम नहीं, सच से डरती है सरकार: राहुल

देहरादून, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। 1971 के युद्ध में भारत की जीत को याद करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार इंदिरा को क्रेडिट नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सच से डरती है, इसलिए विजय दिवस को लेकर आयोजित कार्यक्रम में उनका नाम नहीं लिया गया। इससे पहले नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी आरोप लगाया कि कुछ लोग इंदिरा गांधी को भुलाने की कोशिश कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''बांग्लादेश युद्ध को लेकर आज दिल्ली में एक आयोजन हुआ। इसमें इंदिरा गांधी के नाम का जिक्र नहीं किया गया। जिस महिला ने देश के लिए 32 गोलियां झेलीं, उनका नाम आमंत्रण में नहीं था, क्योंकि यह सरकार सच्चाई से डरती है।'' गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके ही अंकरक्षकों ने कर दी थी।

इससे पहले कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ''कुछ लोग इंदिरा गांधी के काम को भुलाने की कोशिश कर रहे हैं। बांग्लादेश के लोग आज के दिन को याद करते हैं। जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा तक लोकतंत्र की मदद के लिए योगदान करते आए हैं, लेकिन कुछ लोग 1971 के योगदान को भुलाने की कोशिश कर रहे हैं।''

कांग्रेस ने 50वें 'विजय दिवस' के अवसर पर गुरुवार को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व को याद किया। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''1971 के युद्ध के शहीदों और योद्धाओं को याद करता हूं।

भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के कुशल नेतृत्व में लोकतंत्र के विचार को बचाने के युद्ध में विजय हासिल की थी। जय हिंद।'' कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से कहा, ''बहादुर भारतीय सेना शांति और समृद्धि की योद्धा है। भारतीय सेना के शौर्य और साहस ने शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसका उदाहरण बांग्लादेश को पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति दिलाना है।''

अखिलेश और जयंत का सीटों पर चुप्पी से बढ़ा रालोद-सपा नेताओं का बीपी

मेरठ, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में पहली बार गठबंधन के साथ मैदान में उतर रहे सपा-रालोद हाइकमान की सीटों पर चुप्पी से नेताओं का बीपी बढ़ने लगा है। गठबंधन की घोषणा का समय बीतने के बावजूद अभी तक सीटों पर प्रदेशभर में तस्वीर साफ नहीं है।

दोनों ही पार्टियों के नेता अपने-अपने क्षेत्र में दावेदारों की तरह चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं, लेकिन सीट बंटवारे के बाद खुद लड़ेंगे या दूसरों को लड़ाएंगे, इसकी चिंता से परेशान हैं। नेताओं की निगाह पार्टी हाइकमान की सीट बंटवारे पर लगी हैं। सीटों पर निर्णय नहीं होने तक नेताओं में असमंजस की स्थिति बनी रहेगी।

वर्ष 2022 में प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर फरवरी-मार्च में मतदान संभावित है। चुनावों में जीत को रालोद-सपा इस बार एक नाव में सवार हैं। रालोद के प्रभाव के हिसाब से मेरठ, सहारनपुर और मुरादाबाद मंडल की 73 सीटें बेहद महत्वपूर्ण हैं। सपा का फोकस वेस्ट यूपी पर है। दिसंबर में परिवर्तन संदेश रैली में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव वेस्ट यूपी में इस बार भाजपा का सूर्य सदा के लिए डूबने की बात कह चुके हैं। सपा का सपना इन 73 सीटों को जीतते हुए भाजपा को शिकस्त देने का है। गठबंधन के बाद स्थानीय स्तर पर अभी सपा और रालोद दोनों ही पार्टियों के दावेदार चुनावी तैयारी में जुटे हैं, लेकिन जब तक सीट स्पष्ट नहीं होती, तब तक प्रत्याशी खुलकर मतदाता और समर्थकों से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। गठबंधन को लेकर सब कुछ सही होने की स्थिति के बावजूद सीटों पर निर्णय नहीं हो पाना दावेदारों के पसीने छुड़ाए हुए है। दावेदारों को डर है कि जिस सीट पर वे खुद प्रत्याशी बनने को जुटे हैं, वह सीट सहयोगी पार्टी के खाते में चली गई तो उनका क्या होगा?

दोनों ही पार्टी से ऐसे कई दावेदार मैदान में हैं, जिनकी उम्र गुजरने को है। वे इस बार टिकट

मिलने की पूरी उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन गठबंधन की गांठ से टिकट सहयोगी पार्टी के खाते में चला गया तो सारे अरमान बह जाएंगे।

राजपाल सिंह, जिलाध्यक्ष, सपा कहते हैं कि सीटों को लेकर गठबंधन में कोई टेंशन नहीं है। दोनों पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष कह चुके हैं कि सभी सहमति हो गई है। घोषणा भी हो जाएगी। मतलूब गौड़, जिलाध्यक्ष, रालोद ने बताया कि सपा और रालोद के बीच गठबंधन हो चुका है। सीटों को लेकर दोनों पार्टियों में नेतृत्व स्तर पर सहमति हो चुकी है। कोई विवाद या टेंशन जैसी बात नहीं है। सही समय पर घोषणा हो जाएगी।

लखीमपुर खीरी मामले में कानून निष्पक्षता के साथ कर रहा है अपना काम : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। लखीमपुर खीरी मामले में विरोधी दलों की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि लखीमपुर खीरी मामले में कानून आप अपना काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के निष्पक्षता के साथ कार्रवाई हो रही है और इस पर किसी के ज्ञान(विरोधी दलों) की जरूरत नहीं है। संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए नकवी ने कहा कि पार्लियामेंट को परिवार के पॉलिटिकल पाखंड की प्रयोगशाला नहीं बनने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उनको लगता है कि इस तरह के पॉलिटिकल पाखंड और प्रपंच से संसद के कामकाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तो यह बिल्कुल गलत है। इससे परिवारवादी पार्टियों की नकारात्मकता का ही खुलासा हो रहा है।

विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों ने तय कर रखा है कि उन्हें सदन में सिर्फ हंगामा ही करना है।

मेट्रो मैन श्रीधरन ने बीजेपी छोड़ राजनीति से लिया संन्यास

तिरुवंतपुरम, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। मेट्रो मैन ई श्रीधरन ने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में हार ने उन्हें समझदार बना दिया है। 90 साल के श्रीधरन ने ये जानकारी गुरुवार को मलप्पुरम जिले के अपने पैतृक शहर पोन्नानी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए दी। हालांकि सक्रिय राजनीति से उनके संन्यास की घोषणा से भाजपा की राज्य इकाई नाखुश है।

गुरुवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए मेट्रो मैन ई श्रीधरन ने कहा, 'विधानसभा चुनाव में हार ने मुझे समझदार बना दिया। जब मैं हार गया तो इसने मुझे दुखी किया, लेकिन अब मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं जीत भी जाता तो कुछ नहीं किया जा सकता था। मैं कभी राजनेता नहीं था, मैं कुछ समय के लिए नौकरशाही राजनेता बना रहा।' उन्होंने कहा कि राजनीति में उनका प्रवेश देर से हुआ और इससे बाहर निकलने में भी इतनी देर नहीं हुई।

श्रीधरन ने कहा, 'मैं अब 90 वर्ष का हूं और एक नौजवान की तरह इधर-उधर नहीं भाग सकता। मैं तीन अलग-अलग ट्रस्टों से जुड़ा हूं और अब मैं अपना बाकी समय उनके साथ बिताऊंगा।'

यह पूछे जाने पर कि क्या वह हार के पछतावे के साथ राजनीति मैदान छोड़ रहे हैं, उन्होंने कहा कि जब वह मार्च 2021 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए तो पार्टी के लिए पर्याप्त संभावनाएं थीं लेकिन अब स्थिति अलग है। उन्होंने कहा, 'पार्टी को राज्य में पैर जमाने के लिए काफी कुछ करना होगा। चुनावी हार के बाद मैंने पार्टी अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया था। मैं अभी उन चीजों पर चर्चा नहीं करना चाहता।'

विधानसभा चुनाव में मेट्रो मैन ई श्रीधरन भाजपा के लिए सीएम कैंडिडेट के तौर पर उतरे थे। लेकिन भाजपा ने नेमोम में अकेली सीट भी गंवा दी थी। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व ने श्रीधरन से हार की रिपोर्ट मांगी थी। श्रीधरन पलक्कड़ सीट में विधानसभा चुनाव हार गए थे। त्रिकोणीय मुकाबले में वह मौजूदा कांग्रेस विधायक शफी परमभील से 3000 से अधिक मतों से हार गए। उन्होंने कहा, 'राजनीति में मेरा छोटा कार्यकाल रहा। मैं न तो घृणा से राजनीति छोड़ रहा हूं और न ही संघर्ष कर रहा हूं। आप देर से प्रवेश और जल्दी निकास कह सकते हैं। मैं आगे की जिंदगी भी लोगों की सेवा अपने तीन ट्रस्टों के माध्यम से करूंगा, जिनसे मैं जुड़ा हूं।'

भाजपा की राज्य इकाई ने ई श्रीधरन के अचानक राजनीति से संन्यास लेने के फैसले पर हैरानी जताई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्रन ने कहा, 'हमने इस बारे में केवल मीडिया के माध्यम से सुना। हालांकि वह अभी भी हमारे शुभचिंतक ही रहेंगे और हम प्रमुख मुद्दों पर उनका मार्गदर्शन और सलाह लेते रहेंगे।'

योगी सरकार ने पेश किया 8479 करोड़ का अनुपूरक बजट

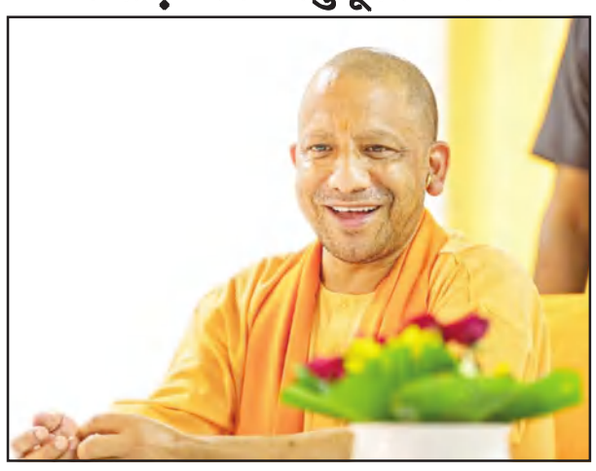

लखनऊ, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में योगी सरकार ने गुरुवार को चालू वित्तीय वर्ष के लिए 8 हजार 479 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया।

सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले चार महीनों (अप्रैल से जुलाई) के लिए 1,68,903.23 करोड़ रुपये का लेखानुदान भी विधानसभा में प्रस्तुत किया। दूसरे दिन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे को लेकर जमकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। कार्यवाही के दौरान सपा, कांग्रेस और सुभासपा ने मंहगाई और केंद्रीय मंत्री राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर विधानसभा में अध्यक्ष के सामने वेल में प्रदर्शन किया।

इस दौरान प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2021-22 का दूसरा अनुपूरक बजट और वर्ष 2022-23 के एक भाग के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया।

विधानसभा में आज विधान सभा की कार्यवाही शुरू होते ही समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस के सदस्य लखीमपुर खीरी केस की एसआइटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने और गृह राज्यमंत्री टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर वेल में आकर नारेबाजी हंगामा करने लगे। इनके हंगामे के बीच ही संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने द्वितीय अनुपूरक बजट, अगले वित्तीय वर्ष 2022-23 के एक भाग के लिए लेखानुदान पेश किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर कैबिनेट बैठक के बाद इस बजट को मंजूरी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सम्पन्न कैबिनेट की अहम बैठक में अनुपूरक बजट के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की।

अमेरिका को अफगानिस्तान में 20 साल लगे, भारत ने पाकिस्तान को 13 दिनों में हराया : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। 1971 में पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश की आजादी के 50 साल पूरे हो गए हैं। इस युद्ध में भारत की जीत के लिए देश की एकता को वजह बताते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भारत महज 13 दिन में इसलिए जंग जीतने में कामयाब रहा क्योंकि भारत एकजुट था। उन्होंने यह भी कहा कि आमतौर पर युद्ध महीनों और सालों चलते हैं, लेकिन भारत ने महज 13 दिनों में पाकिस्तान को झुका दिया। उन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिका को 20 साल लगने से भी इसकी तुलना की।

कांग्रेस नेता ने देहरादून में कहा, ''पाकिस्तान ने 1971 की युद्ध में 13 दिन के भीतर सिर झुका लिया। आमतौर पर युद्ध 6 महीने, 1-2 साल लड़े जाते हैं। अमेरिका को अफगानिस्तान को हराने में 20 साल लगे, लेकिन पाकिस्तान भारत के सामने 13 दिनों में ही हार गया, क्योंकि भारत एकजुट था और एक बनकर खड़ा रहा।''

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''आज बांग्लादेश युद्ध को लेकर दिल्ली में एक कार्यक्रम हुआ। इसमें इंदिरा गांधी का कोई जिक्र नहीं किया गया। जिस महिला ने देश के लिए 32 गोलियां खाईं, उनका नाम आमंत्रण में नहीं था, क्योंकि यह सरकार सच से डरी हुई है।''

इससे पहले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''1971 के युद्ध के शहीदों और योद्धाओं को याद करता हूं। भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के कुशल नेतृत्व में लोकतंत्र के विचार को बचाने के युद्ध में विजय हासिल की थी। जय हिंद।''

कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से कहा, ''बहादुर भारतीय सेना शांति और समृद्धि की योद्धा है।

भारतीय सेना के शौर्य और साहस ने शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसका उदाहरण बांग्लादेश को पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति दिलाना है।'' मुख्य विपक्षी पार्टी ने इंदिरा गांधी की एक तस्वीर साझा करते हुए यह भी कहा, ''विजय प्राप्ति के बाद लौह महिला इंदिरा गांधी का भाषण राष्ट्र भावना से ओतप्रोत करने वाला था। देश की सेना के पराक्रम ने पाकिस्तान को पराजित कर विश्व में भारत का परचम लहराया।''

विजय दिवस के अवसर पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ भारतीय सेना की जीत और इंदिरा गांधी के नेतृत्व का वर्णन करने वाला एक वीडियो साझा किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा, ''बांग्लादेश की मुक्ति और पाकिस्तान पर भारतीय सेना की निर्णायक जीत का 50 साल एक ऐसा मौका है जब हमें इंदिरा गांधी के मजबूत संकल्प और प्रेरक नेतृत्व को गर्व से याद करना चाहिए। हम करोड़ों लोगों की रक्षा करने के लिए दिखाए गए शौर्य और दिए गए बलिदान के लिए भारतीय सेना को सलाम करते हैं।'' आज के ही दिन 1971 में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने ढाका में लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के नेतृत्व में भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया था और पूर्वी पाकिस्तान को ''बांग्लादेश'' घोषित किया गया था।

2022 में मिलकर चुनाव लड़ेंगे अखिलेश और चाचा शिवपाल, सपा-प्रसपा में हुआ गठबंधन

लखनऊ, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। यूपी चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को चाचा शिवपाल से अखिलेश यादव ने मुलाकात की। करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में हुई बातचीत के दौराना दोनों पार्टियों ने गठबंधन पर सहमति जताई। सपा और प्रसपा के बीच गठबंधन तय होने की जानकारी अखिलेश यादव ने फेसबुक और ट्वीटर पर पोस्ट डालकर दी। अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा, प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से मुलाकात हुई और गठबंधन की बात तय हुई। क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है और सपा और अन्य सहयोगियों को ऐतिहासिक जीत की ओर ले जा रही है।

आपको बता दें कि गुरुवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने चाचा और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात करने पहुंचे थे। सूत्रों के अनुसार अखिलेश दोपहर बाद लखनऊ स्थित शिवपाल के आवास पर मिलने के लिये पहुंचे। दोनों के बीच बंद कमरे में मुलाकात हुई। दोनों के बीच करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई। प्रसपा के एक नेता ने बताया कि अखिलेश के साथ सपा का कोई नेता साथ नहीं है। समझा जाता है कि अखिलेश और शिवपाल ने अर्से बाद हुई इस मुलाकात में एक दूसरे के प्रति गिले शिकवे दूर करने अलावा आगामी चुनाव में सीटों के बंटवारे पर भी विचार विमर्श किया।

यूपी विधानसभा के पिछले चुनाव के समय से ही अखिलेश और शिवपाल के रिश्तों में आई तल्खी का दौर जारी था। हालांकि शिवपाल ने आगामी विधानसभा चुनाव की सरगर्मी तेज होने पर पांच साल पुरानी तल्खी को दूर करने की शुरुआती पहल करते हुए अखिलेश से गठबंधन कर चुनाव लड़ने की पेशकश की थी। उन्होंने सपा में प्रसपा के विलय का विकल्प भी खुला रखते हुये कहा था कि अखिलेश को ही आगे की रणनीति के लिये कोई पहल करनी होगी।

पिछले कुछ समय से अखिलेश भी शिवपाल की पहल पर सकारात्मक टिप्पणी करते हुये समय आने पर उनसे बात करने की बात कह रहे थे। गौरतलब है कि 2017 में विधानसभा से पहले अखिलेश द्वारा सपा से बाहर का रास्ता दिखाने के बाद शिवपाल ने प्रसपा का गठन कर चुनाव लड़ा था। इसका सीधा असर सपा के परांपरागत वोटबैंक में बंटवारे के रूप में पड़ा था।

शुभकामना देता हूं, आप जहां बैठे हैं वहीं बैठे रहें : योगी

लखनऊ, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधानसभा में विपक्ष पर खूब व्यंगवाण चलाए। उन्होंने कभी कहा कि मैं आर्शीवाद, शुभकामना देता हूं कि आज जैसे हैं वैसे बैठे रहें। सभी वापस आ जाएं और आप वहां बैठें और हम यहां बैठें। फिर कहा कि अनुपूरक बजट पास कराएं..., हम सत्ता में आएंगे और कहेंगे कि एक नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद हुआ करते थे। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कोई बात नहीं सपना देखते रहिए और इंतजार करते रहिए।

मुख्यमंत्री ने करीब दो घंटे के भाषण में नेता प्रतिपक्ष को खूब निशाने पर लिया। कहा कि आप तो चंद्रशेखर के साथ थे। वह परिवारवादी नहीं थे। वह समाजवादी थे। आप भी समाजवादी थे और कहां इस परिवारवादी के चक्कर में पड़ गए। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बनने पर कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपको पहले बलिया जाने में परेशानी होती थी, लेकिन अब नहीं होगी, लेकिन साल में एक बार ही जाते थे। उन्होंने कहा कि शिष्टाचार के नाते धन्यवाद तो देना ही चाहिए।

सीएम ने खेल विश्वविद्यालय की स्थापन का जिक्र करते हुए कहा कि आपको खेल से क्या लेना, समाजवादियों का स्पोर्ट तो तमंचा था। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पहलवानी, हाकी, कुश्ती, क्रिकेट किसी में मुकाबाला हो जाए। आइये यहीं पर दो-दो हाथ हो जाए।

मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि कुछ ऐसे भी थे कि पांच कालीदास मार्ग से निकलते तक नहीं थे। आज देखिए, क्या हो रहा है। चुटकी लेते हुए उज्जवल रमण की

तरफ इशारा करते हुए कहा कि नितिन अग्रवाल से सीखिए। आप तो अभी जवान हैं कहां बूढ़ों के चक्कर में पड़े हैं।

लखीमपुर पर संसद में हंगामा, राहुल गांधी बोले- हटाए जाएं अजय मिश्रा

राजेश अलख

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर । कांग्रेस ने गुरुवार को गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला तेज कर दिया है, जिनका बेटा कथित रूप से लखीमपुर खीरी हिंसा में शामिल था।

गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग को लेकर विपक्ष की ओर से जताए जा रहे लगातार विरोध के बीच गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। लखीमपुर खीरी हिंसा को 'सुनियोजित साजिश' बताने वाली एसआईटी की रिपोर्ट के बाद विपक्षी दलों ने केंद्रीय मंत्री मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग और तेज कर दी है। अपराह्न 2 बजे सदन की कार्यवाही पुन: शुरू होने के 12 मिनट के भीतर ही सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

अपराह्न दो बजे जब निचले सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो बीजद सदस्य बी. महताब, जो कि अध्यक्ष की कुर्सी पर थे, उन्होंने विपक्ष के विरोध और नारेबाजी के बीच मंत्रियों और सदस्यों को सदन में कागजात रखने की अनुमति दी। अध्यक्ष ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री को विविधता (संशोधन) विधेयक 2021 पेश करने के लिए भी कहा और विधेयक को सदन में पेश किया गया।

इस बीच, विपक्षी सदस्य, जो पहले से ही विरोध जताते हुए वेल की तरफ आ चुके थे, मंत्री को बर्खास्त करने की मांग को लेकर तख्तियां दिखाने लगे। महताब ने प्रदर्शनकारी सदस्यों को शांत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने अध्यक्ष के अनुरोध पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले दिन में भी निचले सदन को 20 मिनट के भीतर स्थगित कर दिया गया था, जब सुबह 11 बजे मिश्रा को लेकर सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा लगातार तीखे हमले किए गए थे। अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रदर्शनकारी सदस्यों को अपनी सीटों पर वापस जाने और सदन को अपना महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए मनाने की कोशिश की।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के अदालत में दिये गये आवेदन की पृष्ठभूमि में गुरूवार को लोकसभा में कहा कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा को बर्खास्त किया जाना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जब प्रश्नकाल के दौरान राहुल गांधी को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय से संबंधित उनका सूचीबद्ध पूरक प्रश्न पूछने के लिए कहा तो कांग्रेस सांसद ने लखीमपुर खीरी की हिंसा का मामला उठाया और आरोप लगाया कि मिश्रा इस

घटना में शामिल हैं।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने कहा, लखीमपुर खीरी में जो हत्या हुई है, उसमें मंत्री शामिल हैं। उस बारे में चर्चा होनी चाहिए। सजा होनी चाहिए।मंत्री को सरकार से निकाल देना चाहिए।

इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने राहुल से अपील की कि वह विषय से संबंधित प्रश्न ही पूछें। उन्होंने कहा, आप वरिष्ठ सदस्य है। आप कहते हैं कि आपको बोलने का मौका नहीं मिलता। आपको पूरा मौका दे रहा हूं, आप विषय पर सवाल पूछिए।

दूसरी तरफ, कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने इस मामले को लेकर आज भी नारेबाजी जारी रखी जिस कारण सदन की कार्यवाही बाधित हुई और प्रश्नकाल नहीं चल सका। राहुल गांधी ने लखीमपुर खीरी मामले पर बुधवार को लोकसभा में कार्य स्थगन का नोटिस दिया था। नोटिस में उन्होंने सदन में नियत कामकाज स्थगित करने की मांग की थी और कहा था कि एसआईटी रिपोर्ट को लेकर सदन में चर्चा होनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को एक ट्वीट में कहा, 'अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने से सरकार का इनकार उसके नैतिक दिवालियापन का सबसे बड़ा संकेत है। आप एक अपराधी की रक्षा कर रहे हैं।अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त किया जाना चाहिए और कानून के अनुसार मामला तय किया जाना चाहिए।'

गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक की छानबीन और साक्ष्यों के आधार पर दावा किया है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा 'टेनी' के पुत्र और उसके सहयोगियों द्वारा जानबूझकर, सुनियोजित साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया गया।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR VENUS THURSDAY

Draw No:55 DrawDate on:16/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 79L 26906

Cons. Prize Rs.1000/- 26906 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02012 02646 09473 10113 41044 44888 48208 52586 65401 89201

3rd Prize ₹450/-

0249 1772 2459 4180 4193 5251 5411 5754 6448 9590

4th Prize ₹250/-

1082 1598 3144 3670 4858 5334 5826 7057 7700 7733

5th Prize ₹120/-

0053 0181 0300 0338 0344 0388 0392 0441 0473 0725
0835 0871 1002 1437 1476 1509 1591 1601 1667 1698
1790 1818 1985 2037 2067 2135 2229 2266 2269 2439
2659 2754 2765 2831 2966 3150 3472 3537 3683 3903
3953 3962 3989 4012 4062 4087 4089 4103 4162 4587
4703 4738 4793 5122 5149 5336 5502 5715 5720 5802
5862 5926 5944 6012 6147 6190 6377 6404 6488 6516
6802 6818 6863 6870 6913 7181 7203 7431 7645 7658
7680 7842 7889 7919 8077 8136 8149 8707 8763 8836
8866 8869 8949 9050 9114 9170 9554 9598 9788 9963

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR PADMA MORNING

Draw No:55 DrawDate on:16/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 63E 61299

Cons. Prize Rs.1000/- 61299 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

00064 07503 37201 61153 63769 67582 75843 85672 86012 93109

3rd Prize ₹450/-

3631 4474 4502 6606 6616 8370 8999 9051 9253 9690

4th Prize ₹250/-

0406 2424 2541 6049 6116 7543 7799 8686 9484 9524

5th Prize ₹120/-

0105 0207 0228 0296 0341 0602 0642 0770 0804 0907
1021 1181 1185 1189 1236 1352 1353 1425 1489 1573
1711 1772 1849 2013 2093 2203 2362 2566 2630 2987
3110 3166 3354 3547 3560 3957 3991 4099 4236 4328
4417 4430 4459 4514 4563 4714 4807 4829 4893 4938
4962 5023 5109 5376 5379 5678 5776 6025 6118 6356
6453 6503 6540 6726 6884 6915 6922 7020 7146 7172
7184 7241 7258 7335 7494 7584 7662 7838 7840 8132
8144 8172 8335 8447 8824 8971 9043 9050 9069 9092
9108 9170 9179 9189 9198 9256 9270 9359 9786 9973

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR FALCON EVENING

Draw No:155 DrawDate on:16/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 98B 10315

Cons. Prize Rs.1000/- 10315 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

13176 13896 16184 16733 17895 18430 20055 42419 48255 91653

3rd Prize ₹450/-

1056 2328 4075 4322 6302 6504 7389 7647 7670 9093

4th Prize ₹250/-

0218 0640 1443 2005 2966 3460 6171 6244 8542 8565

5th Prize ₹120/-

0077 0094 0153 0285 0289 0314 0349 0486 0846 0886
0940 0973 1264 1320 1330 1347 1511 1522 1548 1683
2104 2208 2264 2391 2691 2791 2844 2846 2920 2972
3037 3133 3209 3278 3317 3555 3648 3658 3662 3682
3983 4080 4152 4349 4488 4581 4611 4934 4952 5023
5115 5119 5159 5161 5172 5177 5379 5404 5555 5659
5748 5864 5904 6078 6132 6405 6548 6560 6778 6835
7058 7121 7202 7274 7286 7456 7465 7476 7608 7620
7809 7826 8053 8166 8186 8200 8211 8295 8362 8426
8545 8629 8802 8814 8848 8854 9114 9225 9450 9488

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

विवाह की उम्र

भारत में महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़कर 21 होने वाली है, इस फैसले पर बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मुहर लग गई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में इशारा कर दिया था। प्रधानमंत्री ने तब कहा था, सरकार बेटियों और बहनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। बेटियों को कुपोषण से बचाने के लिए जरूरी है कि उनकी सही उम्र में शादी हो। इसके लिए एक टास्क फोर्स की स्थापना हुई थी, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। टास्क फोर्स ने पुरजोर तरीके से कहा था कि पहली गर्भावस्था के समय किसी महिला की आयु कम से कम 21 साल होनी चाहिए। देर से विवाह होने पर परिवारों की वित्तीय, सामाजिक और स्वास्थ्य की स्थिति मजबूत होती है। देर से शादी होने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि लड़कियों को ज्यादा पढ़ने और आजीविका चुनने का मौका मिलता है। जगजाहिर है कि बड़ी संख्या में लड़कियों की पढ़ाई शादी की वजह से बाधित होती है।

मंत्रिमंडल से मंजूरी के बाद भी लड़कियों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र को 21 करने की प्रक्रिया में वक्त लग सकता है, क्योंकि इसके लिए अनेक बदलाव करने पड़ेंगे। बाल विवाह निषेध अधिनियम, विशेष विवाह अधिनियम और हिंदू विवाह अधिनियम में बदलाव जरूरी हैं। कानून में बदलाव के बाद सरकारों को महिलाओं की स्थिति सुधारने पर और ध्यान देना होगा। बेशक, विगत दशकों में बाल विवाह पर काफी हद तक रोक लगी है। लड़कियों की सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और स्वास्थ्य की स्थिति में काफी सुधार आया है, लेकिन अभी भी समाज में एक बड़ा तबका है, जो 18 साल की न्यूनतम विवाह उम्र को नहीं मान रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2020 के आंकड़ों के अनुसार, बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत कुल 785 मामले दर्ज किए गए थे। ध्यान रहे, ये दर्ज मामले हैं, वास्तविक बाल विवाह के मामलों की संख्या बहुत ज्यादा होगी। जो राज्य विकास के मामले में कुछ आगे निकल रहे हैं, वहां लड़कियां स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने लगी हैं।

यदि विवाह की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होती है, तो सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि लड़कियों का मनोबल बढ़ेगा। वे बाल विवाह जैसे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का साहस करेंगी। परिवार व समाज को बेटी के 21 साल की होने का इंतजार करना पड़ेगा। यहां यह भी जरूर कहना चाहिए कि कानून बनाने से ज्यादा जरूरी है, उसे संपूर्णता में लागू करना। परिवार व समाज को बेटियों के व्यापक विकास के लिए ज्यादा ईमानदारी से सोचना चाहिए। अब भारत में पुरुष और महिला, दोनों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु सीमा 21 हो जाएगी। यहां तक कि अमेरिका में भी ऐसी उच्च सीमा नहीं है। वहां साल 2000 से 2015 के बीच अवयस्कों के दो लाख से ज्यादा वैध विवाह दर्ज हुए थे। लेकिन वह अलग तरह के सामाजिक ढांचे वाला अमीर शिक्षित देश है, जबकि भारत में सामाजिक ढांचा दूसरी तरह का है, यहां कानून बनाकर और उसे ढंग से लागू करके ही आदर्श समानता व समावेशी विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

संसद से पूरे काम, व्यवहार की आस

के सी त्यागी

संविधान विशेषज्ञों द्वारा स्थापित मान्यताओं का जिस तेजी से ह्रास हुआ है, उस पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल में की गई टिप्पणी सर्वाधिक उपयुक्त है- निस्संदेह, जो संवाद हो रहा है, उसके निम्न स्तर पर राजनीतिक वर्ग को आत्मचिंतन की आवश्यकता है। ऐसे देश में, जो अपनी विविधता पर गर्व करता है, वहां अलग विचार और धारणाएं तो होंगी ही। इसमें संदेह नहीं है कि राजनीतिक वर्ग द्वारा किए जाने वाले आवश्यक कार्य प्रवृत्ति से कई बार उनके बीच की बहस गरम हो सकती है, लेकिन विस्फोट नहीं होना चाहिए। हमें यकीन है कि राय में अंतर बेहतर भाषा में व्यक्त किया जाना चाहिए।

संसद में निरंतर बढ़ता विरोध और गतिरोध, पक्ष- विपक्ष में बढ़ती तकरार का शक और शुबहा के दायरे तक पहुंच जाना लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा के सर्वथा विपरीत है। संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में दर्जनों ऐसे उदाहरण मौजूद हैं, जब विरोधाभाषी विचारों पर भी राष्ट्रीय मतैक्य बनाने के प्रयास सफल हुए हैं। ऐसे ही एक उदाहरण का उल्लेख भूतपूर्व उप-राष्ट्रपति हामिद अंसारी की ताजा पुस्तक में दर्ज है। पाकिस्तान समय-समय पर कश्मीर पर प्रश्न उठाता रहा है। पाक घुसपैठियों के सैन्य बलों द्वारा मारे जाने को भी पाक मिशन मानवाधिकारों के उल्लंघन से जोड़ने में माहिर है। सन 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा का अधिवेशन हंगामे से भरा रहा, जब पाकिस्तानी विदेश मंत्री अब्दुल सत्तार के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के विरुद्ध चौतरफा प्रहार शुरू कर दिया। पाकिस्तान को तात्कालिक सफलता भी मिली और जेनेवा में होने वाले मानवाधिकार सम्मेलन की सूची में यह प्रश्न शामिल हो गया। मार्च 1994 में होने वाले इस सम्मेलन की गंभीरता को महसूस कर प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने भारत का पक्ष मजबूती से रखने के लिए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय किया।

बैठक प्रारंभ होते ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री चकित हो गए, जब उन्होंने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के नेता के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी को देखा। बहुत विस्मयकारी अंदाज में उन्होंने पूछा, आप यहां कैसे? वाक्पटु वाजपेयी ने कहा कि वह भारत का पक्ष रखने के लिए यहां आए हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्री को आश्चर्य इस बात को लेकर था कि कांग्रेस सरकार से विपरीत राय रखने के बावजूद कश्मीर जैसे प्रश्न पर कैसे समूचा भारत एकमत हुआ? बैठक में अटल बिहारी वाजपेयी के तर्कों के सामने सभी हतप्रभ हो गए।

ऐसे ही कई रोचक प्रसंग पंडित नेहरू और डॉक्टर लोहिया को लेकर भी हैं। सर्वविदित है कि किस प्रकार संसद और संसद के बाहर, दोनों जगह कटु संवाद होता रहा। नेहरू सरकार के खिलाफ पेश पहले अविश्वास प्रस्ताव पर लोहिया ने कटु प्रहार किए, खासकर आर्थिक और विदेश नीति को लेकर। चीन युद्ध के बाद लता मंगेशकर ने पंडित नेहरू की उपस्थिति में ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी... गाकर सभी श्रोताओं को रोने के लिए मजबूर कर दिया था। लोहिया को आपत्ति थी कि ऐसी शर्मनाक पराजय के बाद आंखों में पानी के बजाय बदला लेने की भावना दिखनी चाहिए। आर्थिक स्थिति पर उन्होंने नेहरू को कड़ी चुनौती दी कि देश की बड़ी आबादी कैसे तीन आना रोज पर गुजारा कर रही है। यद्यपि नेहरू लोहिया से असहमत थे, लेकिन उनके तर्कों का मान रखते हुए उन्होंने योजना आयोग के उपाध्यक्ष अशोक मेहता को अपने चैंबर में बुलाया और वस्तु स्थिति का पता लगाने का निर्देश दिया।

ऐसे ही एक घटनाक्रम का जिक्र आवश्यक है, जब नेपाल में राजशाही का विरोध करते हुए डॉक्टर लोहिया नेपाल दूतावास के पास गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेज दिए गए। सरदार पटेल उस समय गृह मंत्री थे। नेहरू ने अपने सबसे विश्वसनीय मंत्री जॉन मथाई को लोहिया से मुलाकात के लिए भेजा। इसको लेकर सरदार पटेल काफी कुपित थे। उन्होंने नेहरू को पत्र लिखकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई, लेकिन नेहरू का जवाब चौंकाने वाला था, जब उन्होंने सरदार पटेल को पत्र द्वारा सूचित किया कि इंदु (इंदिरा गांधी) उस समय अगर दिल्ली में उपस्थित रही होती, तो वह लोहिया से मुलाकात के लिए उन्हें भेजते।

आज विपक्ष और सत्ता पक्ष में अविश्वास की दीवार इतनी ऊंची हो चली है कि साफ और स्वस्थ आवाजें भी सुनाई नहीं पड़ती हैं। अविश्वास और कटुता के ऐसे माहौल में संसदीय प्रक्रियाओं का संचालन लगभग असंभव हो चला है। पंडित नेहरू के बाद संवादहीनता को कमजोर करने का श्रेय वाजपेयी को भी जाता है। उनके प्रधानमंत्री काल में बुश प्रशासन द्वारा इराक पर बड़ी कार्रवाई की गई और तीसरी दुनिया के काफी देश इसका विरोध कर चुके थे। भारत में भी कम्युनिस्ट पार्टियां आंदोलित थीं, पर भारत द्वारा अमेरिकी सैन्य विमानों की भारतीय भूमि से तेल की आपूर्ति आपत्तिजनक थी। सोमनाथ चटर्जी (सीपीएम) और इंद्रजीत गुप्ता (सीपीआई) के नेतृत्व में सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री से मिला और अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। मजाकिया अंदाज में वाजपेयी ने कहा, कॉमरेड, इस प्रश्न को संसद में क्यों नहीं उठाते? अगले दिन वाम दलों द्वारा संसद में इस प्रश्न को उठाए जाने पर सरकार ने अमेरिकी युद्ध विमानों की तेल की आपूर्ति बंद कर दी।

इसी तरह, शरद पवार के 60वें जन्मदिवस पर शिवाजी पार्क में एक सार्वजनिक आयोजन किया गया, जिसमें सभी दलों के नेताओं को बुलाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अटल जी आमंत्रित थे, पर जब उन्होंने अपना भाषण देना प्रारंभ किया, तो सभी आश्चर्यचकित हो गए। उनका कहना था कि उनकी पार्टी के कई नेता नहीं चाहते थे कि वह इस कार्यक्रम का हिस्सा बनें। चुनाव के ऐन मौके पर हुए इस आयोजन से शरद पवार को राजनीतिक लाभ हो सकता है। वाजपेयी के इस कथन के बाद देर तक तालियों की गूंज सुनाई दी कि अगर मैं अनुपस्थित होता, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की क्षति होती।

अभी आजादी के अमृत महोत्सव के दर्जनों कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पक्ष और प्रतिपक्ष इन कार्यक्रमों में हिस्सेदार हैं। आर्थिक, सामाजिक टकरावों के दौर से हम गुजर रहे हैं। सभी इकट्ठे होंगे, तभी इन चुनौतियों से पार पा सकेंगे। उचित संवाद, सारगर्भित असहमति, मिल-जुलकर गंभीर प्रश्नों पर विमर्श ही एकमात्र रास्ता है लोकतंत्र के संचालन का और संसद में इन समस्याओं के निराकरण का। अपने पुरखों के अनुभवों को साझा कर हमें बहस को और अर्थपूर्ण बनाना ही होगा।

मुक्ति का वह बेमिसाल युद्ध

रामशरण जोशी

16 दिसंबर,1971, इसी दिन संघर्ष और पीड़ा की लंबी दास्तान के बाद बांग्लादेश का जन्म हुआ था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व विजय दर्ज की थी और भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष ढाका में पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल ए ए के नियाजी के नेतृत्व में लगभग 93 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था। इसके साथ ही, स्वतंत्र भारत के इतिहास में हमेशा के लिए एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया था।

आज करीब सोलह करोड़ लोगों का बांग्लादेश अपनी आजादी की अर्द्धर्-शताब्दी मना रहा है। बांग्लादेश ने विगत पांच दशक में ऐसा सफर तय किया है कि इस्लामाबाद के तथाकथित लोकतांत्रिक नेतृत्व को ढाका के नेतृत्व से ईर्ष्या होने लगी है। बांग्लादेश की निर्वाचित सरकार पूर्ण स्वतंत्र है और सेना उसके अधीन है। आज बांग्लादेश का लोकतंत्र फौज नियंत्रित पाकिस्तानी लोकतंत्र को चिढ़ा रहा है। पाकिस्तान का विभाजन और बांग्लादेश का जन्म, दोनों घटनाओं से यह सच्चाई भी रेखांकित हुई है कि कोई धर्म-मजहब किसी भी बहुभाषी-बहुजाति-बहुसंस्कृति देश को लंबे समय तक अखंड नहीं रख सकता। धर्म के इतर अन्य कारक भी हैं, जो देश-राष्ट्र को एकजुट रखने में भूमिका निभाते हैं।

बांग्लादेश का जन्म निश्चित ही लंबे त्रासद अनुभवों का सुखद अंत रहा है। एक भावनात्मक रिश्ता मेरा इस सुखद पटाक्षेप के साथ है। पांच दशक पहले मैं एक युद्ध संवाददाता के रूप में इसकी प्रसव पीड़ा का साक्षी रहा हूं। मई 1971 से लेकर जनवरी 1972 तक तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पश्चिमी पाकिस्तान की सेना के अत्याचारों और बांग्ला मुक्ति वाहिनी के अथक स्वतंत्रता संघर्ष को त्रिपुरा, कुमिल्ला, जैसोर, खुलना व ढाका से मैंने कवर किया था। वहीं से हिंदी की विभिन्न राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं के लिए लिखता रहता था। तब बांग्लादेश से बिल्कुल सटे अगरतला के गेस्ट हाउस में भी महीनों रहा था। आज जब यह देश अपनी स्वतंत्रता की अर्द्धशती का ऐतिहासिक उत्सव मना रहा है, तब सहज ही युद्ध क्षेत्र की कुछ स्मृतियां आंखों में सजीव हो उठी हैं। जब मुक्ति वाहिनी के लड़ाका घायल अवस्था में अगरतला गेस्ट हाउस में शरण लिया करते थे, छापामार लड़ाई के लिए सीमा पार से आया-जाया करते थे। एक रात मुजीबुर्रहमान के बड़े बेटे और भावी प्रधानमंत्री शेख हसीना के भाई शेख कमाल को मेरे साथ ठहराया गया था। कितनी ही कहानियां उन्होंने तत्कालीन सेनाध्यक्ष याह्या खां की फौज के जुल्म की सुनाई थीं। मुझे याद है, बंगबंधु के एक करीबी सहयोगी शम्सुल हक ने तो भारत विभाजन को भारतीय उपमहाद्वीप के मानव भूगोल के साथ बलात्कार की टिप्पणी से परिभाषित किया था।

कैसे भुलाया जा सकता है, सीमा पार के बांग्ला विस्थापितों की उमड़ती लहरों को; उखड़े-उजड़े-टूटे-बिलखते लोग; खून में सने और भूख से रोते बच्चे; भविष्य के प्रति सशंकित मानवता। प्रसिद्ध अभिनेत्री काबुरी चौधरी भी यहीं मिली थीं, जिन्हें बचाकर अगरतला से मुंबई भेजा गया था। ऐसी त्रासदीपूर्ण घड़ियों में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अदम्य साहस को कैसे भुलाया जा सकता है? प्रधानमंत्री तब त्रिपुरा की यात्रा पर थीं। विस्थापितों के शिविरों को देखना चाहती थीं, इसके लिए सुरक्षा एजेंसियां तैयार न थीं, क्योंकि पाक सीमा से सटे मार्ग से गुजरना पड़ता। चारों तरफ दुश्मन फौज थी, लेकिन इंदिरा गांधी के संकल्प के सामने सभी को झुकना पड़ा। उनका काफिला शिविरों की तरफ चल पड़ा। हम पत्रकार भी साथ हो लिए। सरहद पर तैनात पाक सैनिक दिखाई दे रहे थे। कुछ भी अनहोनी घट सकती थी। अंतत: प्रधानमंत्री ने विस्थापितों को संबोधित किया और लौटी भी उसी मार्ग से, संध्या के धुंधलके में।

जैसोर व खुलना में क्षत-विक्षत शवों के अंबार ने हम देशी-विदेशी पत्रकारों को हिलाकर रख दिया था। बलात्कार की अंतहीन गाथाएं सुनने को मिली थीं। चल-अचल संपत्ति के विध्वंस के मंजर देखे, खेत-खलिहानों को जलते देखा। भूख की चीत्कार सुनाई दी और ठंड में ठिठुरती अर्द्धनग्न देहें मिलीं। दो दफे मौत से मेरा भी सामना हुआ। एक बार अखोड़ा बॉर्डर पर पाक रेंजर की गोलियों से घिर गया था, पेड़ की ओट और सीमा सुरक्षा दल ने मुझे बचाया था। 16 दिसंबर से पहले जैसोर-खुलना क्षेत्र में मैंने और दो जापानी पत्रकारों ने दुस्साहस किया था। चेतावनी के बावजूद हम युद्ध-रेखा की तरफ बढ़ गए थे और क्रॉस फायर (भारत-पाकिस्तान) में फंस गए थे। एक भारतीय टैंक की वजह से हमारी जान बची थी और हमें युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया था। बाद में सैन्य अफसरों की डांट का सामना करना पड़ा था।

मैं आजाद होते ढाका का साक्षी हूं। प्रसिद्ध हिंदी कवि व संपादक रघुवीर सहाय के साथ बांग्ला के प्रसिद्ध कवि व स्वतंत्र देश के राष्ट्रीय कवि जसीमुद्दीन से मुलाकात की थी। बांग्लादेश में बसे लोकप्रिय कम्युनिस्ट नेता मोनी सिंह और लेखिका लैला समद के इंटरव्यू लिए थे। ढाका विश्वविद्यालय में पाक फौजों का कहर देखा था।

जनवरी में विमान से कोलकाता लौटते समय स्टेट्समैन के पत्रकार सान्याल टकरा गए थे। वह भी लंबे समय से तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के संकट और संघर्ष को कवर कर रहे थे। उन्होंने बताया था कि आजाद बांग्लादेश में अब भी मजहबी कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हैं। उन्होंने आशंका जाहिर की थी कि मुजीबुर्रहमान का जीवन लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रहेगा। नव राष्ट्र के जन्म के सिर्फ चार वर्ष की अवधि में आशंकाओं से घिरी उनकी भविष्यवाणी कितनी सटीक निकली! पुत्री शेख हसीना और उनकी बहन को छोड़, बंगबंधु परिवार का हिंसक अंत कर दिया गया। मैंने उनके उस निवास को देखा था। सामान्य सा घर था। इंदिरा गांधी ने मुजीबुर्रहमान को सलाह दी थी कि वह सरकारी निवास में रहें, इस छोटे से मकान में वह और उनका परिवार सुरक्षित नहीं हैं, मगर बंगबंधु का अपने लोगों पर अटूट विश्वास था। चंद सैन्य अधिकारियों ने उनके साथ विश्वासघात कर दिया।

पिछले दिनों बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों की हिंसक हरकतें दिखाई दी हैं। कट्टरपंथी तत्वों की वजह से पिछले कई वर्षों से प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन भारत में जीवन बिताने को अभिशप्त हैं।

ऐसी घटनाओं से बांग्लादेश के लोकतंत्र और स्वतंत्रता पर ग्रहण लगता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करेंगी और अपने पिता बंगबंधु के धर्मनिरपेक्ष सोनार बांग्लादेश के स्वप्न को खंडित नहीं होने देंगी।

अर्थव्यवस्था को और सहारा चाहिए

मधुरेंद्र सिन्हा

भारतीय अर्थव्यवस्था अब कोरोना की गिरफ्त से बाहर निकलती दिख रही है। पिछले दिनों आए आंकड़े वित्त मंत्रालय को खुश कर रहे हैं। पिछली तिमाही में जीडीपी की विकास दर में 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अगली तिमाही की ओर उसकी नजरे हैं और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का कहना है कि भारत की विकास दर 2021-22 में बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो जाएगी। यह काफी आशाजनक तस्वीर है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और एजेंसियां ऐसा नहीं सोच रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की विकास दर के आंकड़ों के अनुमान में थोड़ी कटौती की है। उसका कहना है कि भारत की विकास दर 8.7 प्रतिशत के बजाय 8.4 प्रतिशत होगी। लेकिन जो सबसे महत्वपूर्ण बयान आया, वह था नोबल विजेता अभिजीत बनर्जी का। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी गहरी खाई में है और लोगों की अपेक्षाएं काफी घट चुकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था अब भी 2019 के स्तर से काफी नीचे है।

अभिजीत बनर्जी के इस बयान से कोई हंगामा या विवाद नहीं खड़ा हुआ, क्योंकि उन्होंने इस परिस्थिति के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया। वजह साफ है कि कोरोना काल ने भारत की अर्थव्यवस्था को भारी चोट पहुंचाई और उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया, जहां सरकार को भी समझ में नहीं आ रहा था कि इसका इलाज क्या है। इस दौरान लाखों उद्योग बंद हो गए, छोटे कारोबारी सड़क पर आ गए और कई सेक्टरों में तो ताला लग गया, जिसका बहुत बुरा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ा।

करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए और लोगों की क्रय क्षमता काफी कम हो गई। यहीं पर ही पेच फंस गया। यह ध्यान देने वाली बात है कि भारतीय अर्थव्यवस्था उपभोग पर आधारित है और इसके पहिये देश में सामान की खपत से ही घूमते हैं। ऐसी विकट आर्थिक स्थिति में उपभोग का कम होना तार्किक है। यह तो खैर मनाइए कि हमारा कृषि क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुआ है और उसने खाद्यान्नों की किल्लत नहीं होने दी। सरकार भी उसी की ताकत पर 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटती रही।

भारत के गांव फिर एक बार अपने लोगों की मदद को आगे आए। लेकिन अब लाख टके का सवाल है कि अर्थव्यवस्था के विकास की गति को पंख कैसे दिया जाए? इसके लिए सबसे जरूरी है कि अर्थव्यवस्था में ज्यादा से ज्यादा पैसे डाले जाएं। सरकार अपनी स्कीमों से ऐसा कर सकती है। साथ ही छोटे उद्यमियों, कारोबारियों और व्यवसायियों की बकाया राशि का भुगतान करने के अलावा उन्हें प्रोत्साहन भी दे।

दूसरा बड़ा कदम यह हो सकता है कि केंद्र में ही नहीं, राज्यों में भी बड़े पैमाने पर रिक्त पड़े पदों को तुरंत भरा जाए। सरकार को उद्योगों और कारोबारियों को भी इस बात के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे उन लोगों को वापस लें, जिन्हें उन्होंने कोरोना काल में बाहर कर दिया था। सरकार को और नई परियोजनाएं शुरू करनी चाहिए। हालांकि इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में वह काफी खर्च कर रही है, फिर भी वह शिक्षा या स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बड़ा खर्च करेगी, तो भी पैसा सिस्टम में आएगा।

समस्या है कि राज्य सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं और उनकी ओर से कोई बड़ा कदम नहीं उठ रहा है। जिन राज्यों में चुनाव हैं, वहां तो यह हो रहा है, लेकिन बाकियों में कुछ नहीं हो रहा है। सरकारों को वोट की राजनीति से हटकर आगे के बारे में भी सोचना होगा। लेकिन एक समस्या जो अब साफ दिख रही है, वह है देश में धन का असमान वितरण। ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में इतनी विषमता आ गई है कि शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों के पास देश का 57 प्रतिशत धन है। इसके समान वितरण के लिए सरकार को सोचना पड़ेगा। भारत का मध्य वर्ग, जिसकी ओर सभी देशों की कंपनियों की निगाहें रहती हैं, कोराना काल में बुरी तरह जख्मी हुआ है और उनकी क्रय शक्ति में काफी कमी हुई। यही वह वर्ग है, जिसने अपनी जबर्दस्त खरीदारी से अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। उसका इस तरह से नीचे जाना देश के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु - सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल- वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश- आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी- पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि- अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

- पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।
- अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।
- जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।
- पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।
- सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।
- बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।
- अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।
- अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।
- पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।
- एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।
- अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।
- अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।
- अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।
- मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।
- इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।
- सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।
- आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।
- नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30- यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30- यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200- इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200- यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30- इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200- यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)- वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

पीएम मोदी आज यूपी के सांसदों से नाश्ते पर करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के कई सांसदों से मुलाकात करेंगे। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी शुक्रवार को सुबह नाश्ते के दौरान उत्तर प्रदेश के लगभग 40 सांसदों के साथ मुलाकात कर सकते हैं।

आपको बता दें कि संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री आमतौर पर अलग-अलग समूह में भाजपा सांसदों से मुलाकात करते रहते हैं। मुलाकातों की इन्ही कड़ी के तहत प्रधानमंत्री ने बुधवार को दक्षिण भारत से आने वाले भाजपा सांसदों के साथ मुलाकात की थी। गुरुवार को उन्होने मध्य प्रदेश के भाजपा सांसदों के साथ मुलाकात की और शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के कई सांसदों से मुलाकात करने वाले हैं।

वैसे तो सांसदों के साथ नाश्ते पर प्रधानमंत्री मोदी की यह औपचारिक मुलाकात है, लेकिन उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष की शुरूआत में होने जा रहे विधान सभा चुनाव के मद्देनजर इसे काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि नाश्ते पर प्रदेश के सांसदों के साथ मुलाकात के दौरान पीएम मोदी प्रदेश के राजनीतिक माहौल को लेकर सांसदों का फीडबैक ले सकते हैं और साथ ही चुनावी तैयारियों और मुद्दो को लेकर अहम टिप्स भी दे सकते हैं।

शुक्रवार को होने वाली इस मुलाकात के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी के अलावा अन्य कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रह सकते हैं।

आपको बता दें कि इससे पहले बुधवार को दक्षिण भारत के सांसदों और गुरुवार को मध्य प्रदेश के सांसदों के साथ मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने उनके राज्यों से जुड़े मुद्दों पर बात करने के साथ ही उन्हे राजनीति से अलग हटकर सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने का गुरुमंत्र दिया था। प्रधानमंत्री ने इन सांसदों को सांसद खेल स्पर्धा, सांसद तंदुरुस्त बाल स्पर्धा, और सूर्य नमस्कार स्पर्धा का आयोजन करने के साथ ही संसदीय कार्यवाही में भी सक्रियता से शामिल होने को कहा था। उन्होने सांसदों को वीआईपी सुविधा लेने से बचने और सामाजिक कार्यों के जरिए समाज पर प्रभाव डालने की नसीहत भी दी।

अत्याधुनिक प्रणालियों से लैस लड़ाकू विमान तेजस का 2400 करोड़ का सौदा

बेंगलुरु, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने गुरुवार को यहां भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2,400 करोड़ रुपये के एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत बेंगलुरु में हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1ए प्रोग्राम के लिए 20 प्रकार की प्रणालियों का विकास और आपूर्ति की जाएगी।

साल 2023 से 2028 तक के इस अनुबंध में क्रिटिकल एवियोनिक्स लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स (एलआरयू), फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर्स और नाइट फ्लाइंग एलआरयू की आपूर्ति शामिल है। 2,400 करोड़ रुपये के अनुबंध के साथ यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है, जो एचएएल ने किसी भी भारतीय कंपनी को दिया है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बढ़ावा देता है।

बीईएल के सीएमडी आनंदी रामलिंगम ने कहा, 'एलसीए तेजस कार्यक्रम एचएएल जैसे भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और बीईएल के बीच तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। तेजस एमके1ए के लिए 20 प्रकार के क्रिटिकल एवियोनिक्स एलआरयू के विकास और आपूर्ति के लिए मौजूदा ऑर्डर मेक इन इंडिया गतिविधि के लिए एक बेहतर प्रयास है।'

वहीं दूसरी ओर एचएएल के सीएमडी आर माधवन ने कहा, 'एचएएल स्वदेशी उत्पादों के लिए प्रतिबद्ध है।' आनंदी ने आगे कहा, 'हमें प्रतिष्ठित एलसीए तेजस कार्यक्रम के लिए एचएएल से ऑर्डर मिलने की बेहद खुशी है और हम एचएएल के साथ मजबूत भागेदारी और संयुक्त सफलता कायम रखने के प्रति आशान्वित हैं।'

कुल 83 तेजस एमके1ए के लिए इन प्रणालियों की आपूर्ति के ऑर्डर को बेंगलुरु और हरियाणा में पंचकूला स्थित बीईएल की दो डिवीजनों द्वारा पूरा किया जाएगा। अनुबंध में शामिल सभी सामग्री बीईएल द्वारा एचएएल को लगाने के लिए तैयार हालत में (रेडी टू बोर्ड) दी जाएंगी।

कुल 83 तेजस एमके1ए आर्डर के तहत वायुसेना को आपूर्ति वित्तवर्ष 2023-24 से शुरू हो जाएगी। ये विमान स्वदेशी फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर्स और एयर डाटा कंप्यूटर्स से लैस होंगे, जिनकी आपूर्ति भी इसी अनुबंध के तहत बीईएल द्वारा की जाएगी। इन प्रणालियों का डिजाइन और विकास डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और बेंगलुरु स्थित वैमानिकी विकास एजेंसी (एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी) ने किया है।

अनुबंध से संबंधित दस्तावेज एचएएल में महाप्रबंधक, एलसीए तेजस डिवीजन, ई.पी. जयदेव की ओर से बीईएल के महाप्रबंधक (ईडब्ल्यू एंड ए) मनोज जैन को सौंपे गए।

योगी सरकार का चुनावी बिसात पर आखिर दांव

लखनऊ, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। योगी सरकार ने चुनावी बिसात पर आखिर दांव चल ही दिया। दुबारा सत्ता में आने के लिए भाजपा सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। ऐसे में अनुपूरक बजट की छोटी सी (दस हजार करोड़ से भी कम) धनराशि के जरिए कई बड़े वर्गों को साधने की कोशिश की है। इसलिए पुराने वायदों को पूरा करने का इंतजाम किया गया है। साथ ही किसानों, श्रमिकों पर भी मेहरबानी की गई है। असल इन सबमें अंतिम दौर में सारे प्रयास कर बाजी जीत लेने की मंशा नजर आती है। चुनाव में दो महीने से भी कम वक्त बचा है। इसी महीने से श्रमिकों को पांच सौ रुपये की पेंशन हाथ आएगी तो उन्हें भी राहत मिलेगी। दिव्यांगों व बुजुर्गों की पेंशन में दुगना कर उनके समर्थन को पुख्ता करने की कोशिश इसमें दिखती है। श्रमिकों की ढाई करोड़ की संख्या को देखते हुए इसे भाजपा सरकार का बड़ा दांव माना जा रहा है।

भाजपा ने इसके जरिए अपने धार्मिक सांस्कृतिक एजेंडे को भी और धार दे दी। इस काम में पहले के बजटों में योगी सरकार ने काफी रकम रखी थी। अब वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, गंगा आरती दर्शन के लिए चार लेन की माडल सड़क बनेगी तो श्रद्धालुओं को खासी राहत मिलेगी। इसीलिए इस मद में भी पैसे का इंतजाम किया गया है। बिजली को लेकर विपक्षी दल सरकार को घेरते रहे हैं। चौबीस घंटे बिजली देने का ऐलान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों किया था। शहरों में तो बिजली चौबीस घंटे उपलब्ध है, लेकिन गांवों यह बीस से 22 घंटे ही आती है। अब गांवों से शहर तक सब जगह हर वक्त बिजली का इंतजाम किया गया है। काम किया है तो उसे बताना भी जरूरी है। अब आचार संहिता लगने से पहले उपलब्धियों के प्रचार प्रसार के लिए भी रकम का बंदोबस्त कर दिया गया है।

असल में सरकार इस वित्तीय वर्ष में दो अनुपूरक बजट लाई थी। इस बार उसने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के बजाए लाभार्थी परक योजनाओं पर ही फोकस किया। ताकि इन वर्गो को लुभाया जाए। वैसे भी एक्सप्रेसवे, मेट्रो परियोजनाओं के लिए पैसे का इंतजाम इस साल के मूल बजट व पहले अनुपूरक में किया गया था। अब चूंकि समय कम है, इसलिए अनुपूरक बजट की रकम को अगले साल 31 मार्च तक खर्च करना भी चुनौती है, खास तौर पर तब चुनाव की बेला में निर्माण का काम व योजनाओं का क्रियान्वयन अपेक्षाकृत धीमा हो जाता है।

भाजपा के घोषणापत्र का दावा : चंडीगढ़ पहला झुग्गी-झोपड़ी मुक्त शहर होगा

चंडीगढ़, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को इसे देश का पहला झुग्गी-झोपड़ी मुक्त शहर बनाने का वादा किया। पार्टी ने वादा किया कि मौजूदा झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को पक्का घर दिया जाएगा और नई झुग्गी-झोपड़ियों के निर्माण पर रोक लगाई जाएगी।

पार्टी ने महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गो और कर्मचारियों सहित सभी के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं को भी प्राथमिकता दी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरुण सूद, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय टंडन और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सत्यपाल जैन ने गुरुवार को यहां संकल्पपत्र (घोषणापत्र) जारी किया। पार्टी ने वृद्ध, विधवा और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की पेंशन बढ़ाने के अलावा संविदा कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का भी वादा किया।

सूद ने मीडिया से कहा कि युवाओं को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण के अलावा नौकरियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

सभी निमार्णो को नियमित कर हरियाणा की तर्ज पर गांवों में 'लाल डोरा' की सीमा को समाप्त कर लोगों को स्वामित्व का अधिकार देने की बात करते हुए घोषणापत्र में कहा गया है कि चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड और एस्टेट ऑफिस से जुड़े सभी घरों, वाणिज्यिक व औद्योगिक भवनों को नियमित किया जाएगा।

घोषणापत्र में कहा गया है कि शहर की सभी व्यावसायिक, औद्योगिक और हाउसिंग सोसायटियों को रियायती दरों पर लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने से संबंधित नीति पेश की जाएगी, जबकि अनर्जित लाभ नीति को समाप्त कर दिया जाएगा।

भाजपा नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि जिन गांवों को बिना कारण निगम के अंतर्गत लाया गया है, उन पर करों का बोझ नहीं डाला जाएगा। गांवों में उनकी विकास परियोजनाओं को पूरा किए बिना कोई नगरपालिका कर नहीं लगाया जाएगा।

घोषणापत्र में यह भी कहा गया है कि पुनर्वास योजना के तहत निर्मित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की कॉलोनियों में रहने वालों को घर का मालिकाना हक दिया जाएगा।

सूद ने कहा कि 'मेरा चंडीगढ़-मेरा सुझाव' अभियान चलाकर निवासियों से सुझाव लेने के बाद घोषणापत्र का मसौदा तैयार किया गया। उन्होंने कहा कि 79,892 सुझाव प्राप्त हुए।

चंडीगढ़ के 35 वार्डो के लिए निकाय चुनाव 24 दिसंबर को होंगे और वोटों की गिनती 27 दिसंबर को होगी।

रोजगारोन्मुख शिक्षा में नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग कोर्स भी काफी महत्वपूर्ण : विधायक पटेल

चन्द्रभूषण सिंह 'शशि'

हाजीपुर, 16 दिसम्बर। शहर के गांधी आश्रम सच मे फाउंडेशन भवन में नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग स्टडी सेंटर बिहार का वैशाली विधायक सिद्धार्थ पटेल एवं वीपीएस कालेज देसरी के प्रभारी प्राचार्य डा. राजीव कुमार ने उदघाटन किया। समारोह को संवोधित करते हुए विधायक श्री पटेल ने कहा कि रोजगारोन्मुख शिक्षा वर्तमान समय की मांग है। नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग उसमें एक महत्वपूर्ण कोर्स है। नई शिक्षा नीति के तहत अब प्री-पाइमरी विद्यालयों का संचालन होना है। इसमें आंगनबाड़ी केंद्रों को भी जोड़ा जा रहा है। अब प्राइमरी विद्यालयों के साथ निजी ख्रले और किड्स स्कूलों में भी नर्सरी ट्रेनिंग के टीचर ही बहाल होंगे। इस कोर्स में इंटर या ख्रलस-टू उतीर्ण छात्र-छात्राएं नामांकन ले सकते हैं। आने वाले दिनों में बिहार में इनकी काफी संख्या में नियोजन की संभावना है।

समारोह में प्रभारी प्राचार्य डा. राजीव कुमार ने कहा कि इसमें बिना किसी इंट्रेंस एग्जाम के नामांकन लेकर इस स्टडी सेंटर से प्रात:कालीन अथवा संध्याकालीन शिफ्ट में दो साल का कोर्स पूरा किया जा सकता हैँ। इसमें छात्र-छात्राओं के अलावा किसी भी उम्र के महिला-पुरुष नामांकन ले सकते हैं। इस मौके पर सच मे फाउंडेशन के प्रो.चंद्रभूषण सिंह शशि ने सभी का स्वागत किया। वीपीएस कालेज के डा. कुमारी नीलम, डा. बबीता कुमारी, डा. अमृता मजूमदार, प्रो. रंजन पाठक, प्रो. अमरेश श्रीवास्तव आदि ने भी विचार रखे।

समारोह में जदयू के प्रदेश सचिव विनोद कुमार राय ने कहा कि इस आने वाले दिनों में आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं को यह कोर्स करना जरूरी होगा। उनकी ट्रेनिंग के लिए मॉर्निंग या इवनिंग शिफ्ट काफी लाभदायक है। इससे उन्हें सेवा स्थायित्व में लाभ मिलेगा। वहीं दूसरे जगह नामांकित छात्र-छात्राएं भी इसका लाभ ले सकते हैं।

इस अवसर पर पूर्व दूरसंचार जिला प्रबंधक सह सरदार पटेल सेवा सदन अध्यक्ष घुरन राय, पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर सह नगर अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह, अधिवक्ता रंजीत यादव, ओंकारनाथ सिंह, राधेश्याम सिंह, पांडेय बीएन राजू, रविंद्र शर्मा, रंजीत श्रीवास्तव, राजेश शर्मा, डा. महेंद्र प्रियदर्शी, आलोक आजाद, उमेश तिवारी, राजेश सक्सेना, दिनेश प्रसाद सिंह, सुधीर कुमार सिंह, वीरेंद्र प्रसाद केसरी, प्रो. मनोज कुमार, रंजन पटेल, विनय मोहन पटेल, विजय कुमार मुन्ना, संजीत कुमार, मंजय कुमार, मुकेश कुमार, रमेश कुमार, मनोज कुमार सिंह, विमल प्रसाद सिंह, भूषण सिंह, सच में फाउंडेशन निदेशिका नमिता सिंह, नमितेश भूषण, शशितेश भूषण, प्रिंस कुमार, बबलू यादव, पवन यादव, पशुपति यादव आदि उपस्थित थे।

निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने सिलीगुड़ी में प्रवेश किया

सिलीगुड़ी, 16 दिसम्बर। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपने अगले चरण के विकास के हिस्से के रूप में सिलीगुड़ी में प्रवेश की घोषणा की है। निवा बूपा सिलीगुडी में अपना परिचालन शुरू कर रही है और अगले पांच वर्षों में लगभग 6000 लोगों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने का लक्ष्य रखता है। इस विस्तार के साथ, निवा बूपा ने सिलीगुड़ी में अगले पांच वर्षों में लगभग 10 करोड़ रुपये का लिखित प्रीमियम और पॉलिसी खरीद में 10 गुना वृद्धि करने का लक्ष्य रखा है।

कंपनी शहर में लोगों के लिए व्यापार के अवसर भी लाएगी क्योंकि इसकी योजना वित्त वर्ष 25-26 तक लगभग 1200 एजेंटों को शामिल करने की है। यह विस्तार निवा बूपा के विजन के अनुरूप है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सभी के लिए सुलभ हैं और लोगों को एक संपूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाती हैं। कोविड -19 महामारी के दौरान, कंपनी ने कुल मिलाकर 30000 ग्राहकों को कोविड से संबंधित दावों का भुगतान किया, जिसमें पश्चिम बंगाल में आईएनआर 12 करोड़ शामिल हैं, जो सबसे कठिन घंटों के दौरान लोगों की मदद करते हैं।

सिलीगुड़ी में अपनी विस्तार योजनाओं के बारे में बात करते हुए, श्री अंकुर खरबंदा, निदेशक - रिटेल सेल्स, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने कहा, 'हम आज के ग्राहकों की उभरती स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादों को लाने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'

फर्जी दुर्घटना दावों के मामला : सुप्रीम कोर्ट ने अंकुश के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश में 2015 से 2021 तक नकली मोटर दुर्घटना दावों को दर्ज करने के संबंध में कम से कम 92 आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिसमें 28 वकील आरोपी के यप में शामिल हैं।

शीर्ष अदालत को बताया गया कि अब तक विभिन्न जिलों में कुल 92 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 55 मामलों में 28 अधिवक्ताओं को आरोपी बनाया गया है। एसआईटी ने कहा कि 25 मामलों में अब तक 11 अधिवक्ताओं के खिलाफ आरोपपत्र संबंधित निचली अदालत को भेजे जा चुके हैं।

न्यायमूर्ति एम.आर. शाह और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने तब केंद्र को नोटिस जारी करते हुए कहा कि प्रतिक्रिया या सुझाव मिलने के बाद शीर्ष अदालत इस मामले में निर्देश जारी कर सकती है, जो पूरे भारत में लागू होंगे।

एसआईटी ने सफीक अहमद के मामले में शीर्ष अदालत के आदेश के बाद एक रिपोर्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से अब तक संदिग्ध दावों के कुल 1,376 मामले प्राप्त हुए हैं।

पीठ ने कहा, 'हम एसआईटी के जांच अधिकारी से संदिग्ध फर्जी दावों के संबंध में विभिन्न बीमा कंपनियों से पहले से प्राप्त शिकायतों की जांच में तेजी लाने का आग्रह करते हैं।'

पीठ ने एसआईटी को एक और हलफनामा दाखिल करने के लिए भी कहा, जिसमें बताया गया है कि कितने मामलों में चार्जशीट दाखिल किए गए हैं और कितने मामलों में संबंधित मजिस्ट्रियल कोर्ट द्वारा आरोप तय किए गए हैं।

शीर्ष अदालत ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया और उत्तर प्रदेश सरकार को भी आरोपी वकीलों के खिलाफ कानून के अनुसार जल्द से जल्द अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने को कहा।

एसआईटी की ओर से पेश वकील को सुनने के बाद पीठ ने कहा, 'हमारी राय है कि झूठे/धोखाधड़ी दावा याचिका दायर किए जाने के खतरे को रोकने के लिए कोई और निर्देश जारी करने से पहले, हमारे पास परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार से उपचारात्मक और निवारक उपायों व सुझावों पर विचार किया जा सकता है।'

पीठ ने रजिस्ट्री से कहा कि वह परिवहन मंत्रालय को पार्टी-प्रतिवादी के रूप में पेश करे और नोटिस जारी करे।

मामले में आगे की सुनवाई की तारीख 25 जनवरी तय करते हुए पीठ ने कहा, 'हम भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज से अनुरोध करते हैं कि वे परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से पेश हों और अदालत की सहायता करें।'

'हंगामा म्यूजिक' के साथ वी ने पार्टनर्सीप किया

सिलीगुड़ी, 16 दिसम्बर। वी ने 'हंगामा म्यूजिक' के साथ मिलकर वी ऐप पर अपना म्यूजिक ऑफर पेश किया है। इसके साथ, वी ने अपने ओटीटी आधारित डिजिटल कंटेंट को और मजबूत किया है जो मनोरंजन, स्वास्थ्य और फिटनेस, शिक्षा और कौशल के साथ, और टेल्को इस पोर्टफोलियो पर निर्माण करना जारी रखेगा। हंगामा के साथ वी की संगीत पेशकश का अनावरण प्रसिद्ध संगीतकार और संगीतकार जोड़ी - सलीम सुलेमान ने किया, जिन्होंने लॉन्च इवेंट में भी प्रस्तुति दी।

इस साझेदारी के तहत वी अपने सभी पोस्टपेड और प्री-पेड ग्राहकों को हंगामा म्यूजिक का 6 महीने का प्रीमियम सब्सक्रिप्शन बिना किसी अतिरिक्त कीमत के हंगामा प्रीमियम सब्सक्रिप्शन की पेशकश करेगा। पेशकश के हिस्से के रूप में, ग्राहक हंगामा की लाखों गानों की विशाल लाइब्रेरी से 20 भाषाओं में विज्ञापन-मुक्त संगीत सुन सकते हैं, असीमित डाउनलोड का आनंद ले सकते हैं, संगीत वीडियो स्ट्रीम कर सकते हैं, नवीनतम बॉलीवुड समाचार, गाने सुनते समय कॉलर ट्यून सेट कर सकते हैं और पोडकास्ट आदि सुन सकते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, अवनीश खोसला, सीएमओ, वी ने कहा, 'निकट भविष्य में हम बहुत अधिक नई पहलों को शुरू होते देखेंगे क्योंकि यह एजेंडा बडे. पैमाने और गति प्राप्त करता है।'

मारुति सुजुकी सुपर कैरी सेल्स 1 लाख के माइलस्टाने पार किया

सिलीगुड़ी, 16 दिसम्बर। देश के सबसे शक्तिशाली मिनी ट्रक मारुति सुजुकी सुपर कैरी ने हाल ही में अपने लॉन्च के केवल 5 वर्षों में 100,000 संचयी यूनिट की बिक्री का रिकॉर्ड माइलस्टोन हासिल किया है। ये भारत में एकमात्र मिनी ट्रक जो 4-सिलेंडर इंजन प्रदान करता है, सुपर कैरी उन कमर्शियल ग्राहकों की बहुमुखी आवश्यकताओं को पूरा करता है जिन्हें एक कुशल गुड्स कैरियर की आवश्यकता होती है।

पेट्रोल और सीएनजी दोनों विकल्पों में उपलब्ध, मारुति सुजुकी सुपर कैरी को विशेष रूप से भारत के लिए विकसित किया गया था, भारतीय मिनी-ट्रक ग्राहकों की अनूठी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए। मारुति सुजुकी ने भारत में सुपर कैरी की शुरुआत के साथ 2016 में वाणिज्यिक खंड में प्रवेश किया। बहुत ही कम समय में सुपर कैरी ने अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ पावर, बेहतरीन माइलेज, आसान रखरखाव, आराम और बढ़ी हुई स्टोरेज क्षमता के लिए ग्राहकों से व्यापक सराहना हासिल की है, जो उनकी लाभप्रदता को बढ़ाने में मदद करता है।

सुपर कैरी भारत में 237 से अधिक शहरों में फैले मारुति सुजुकी के समर्पित 335 से अधिक कमर्शियल आउटलेट के माध्यम से बेची जाती है। साझेदारी, विश्वसनीयता, दक्षता, पारदर्शिता और सरलता के मूल्यों पर स्थापित कमर्शियल चैनल को भारत भर में 3800+ मारुति सुजुकी सेवा केंद्रों के विस्तृत सेवा नेटवर्क का समर्थन प्राप्त है।

भारत बनाम साउथ अफ्रिका : भारतीय टेस्ट टीम दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना

मुंबई (एजेंसी)।

विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम सेंचुरियन में 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट से शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार सुबह दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हो गई। सेंचुरियन, जोहान्सबर्ग (3-7 जनवरी) और केप टाउन (11-15 जनवरी) में तीन टेस्ट 2021 से 2023 तक आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जोहान्सबर्ग के लिए रवाना होने से पहले टीम के सदस्यों जसप्रीत बुमराह, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की तस्वीरें साझा कीं है।

भारत नव-नियुक्त उप-कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल टीम में खेलेंगे। भारत में बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल भी चोटों के कारण टीम में नहीं हैं।

भारतीय टीमः विराट कोहली (कप्तान), प्रियांक पांचाल, केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, जयंत यादव, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद सिराज।

बैडमिंटन वर्ल्ड : क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु, अर्जुन और कपिला खेल से हुए बाहर

ह्यूएलवा (स्पेन)। (एजेंसी)।

भारत की पीवी सिंधु ने गुरुवार को यहां थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पलासियो डी लॉस डेपोर्टेस कैरोलिना मारिन में सुबह का मैच खेलते हुए सिंधु 21-14, 21-18 विजेता बनकर विश्व की नंबर 1 और चीनी खिलाड़ी ताई त्जु यिंग के साथ अंतिम-आठ तक पहुंची, जिसमें तीन खेलों की और आवश्यकता थी। गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिल्मर को 21-10, 19-21, 21-11 हराकर जीत हासिल की।

इस बीच, एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भारतीय युगल जोड़ी को रूसी बैडमिंटन महासंघ के व्लादिमीर इवानोव और इवान सुजोनोव ने सीधे गेम में बाहर कर दिया। अर्जुन और ध्रुव को 41 मिनट में 11-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

बीबीएल पर कोविड का कहर, पर्थ के सभी पांच मैचों को किया गया स्थानांतरित

सिडनी (एजेंसी)।

एक फुटबॉल खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद 20 दिसंबर को पर्थ में खेले जाने वाले पर्थ स्कॉर्चर्स बनाम होबार्ट हरिकेंस सहित बिग बैश लीग (बीबीएल) के सभी पांच मैचों को वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरित किए जाने का फैसला किया गया है। इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को जानकारी दी।

एक बयान में ग्लोरी क्लब ने खिलाड़ी के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की, जिसके बाद एक घोषणा की गई कि टीम के अगले दो फुटबॉल मैच स्थगित किए जा रहे हैं।

बयान में कहा गया, पर्थ ग्लोरी इस बात की पुष्टि करता है कि उसकी टीम का एक सदस्य कोरोना संक्रमित पाया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) की सरकार द्वारा निर्धारित सख्त कोरोना प्रतिबंधों के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स ने अपने शेष पांच घरेलू मैच गंवा दिए। राज्य ने पहले पांचवें एशेज टेस्ट की मेजबानी का अधिकार भी खो दिया था, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और डब्ल्यूए सरकार के बीच क्वारंटीन नियमों में बदलाव करने को लेकर कोई बात नहीं बन पाई थी। 20 दिसंबर को होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ स्कॉर्चर्स के मैच को बेलेरिव ओवल में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस महीने के अंत में मेलबर्न रेनेगेड्स और मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ दो अन्य मैचों को डॉकलैंड्स स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग के महाप्रबंधक एलिस्टेयर डॉब्सन ने कहा, हम समझते हैं कि यह पर्थ के प्रशंसक के लिए एक निराशाजनक निर्णय है, लेकिन मौजूदा माहौल में हम सदस्यों, प्रशंसकों, खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और स्टाफ के लिए सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं। इसलिए यह निर्णय लिया गया है।

इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया : वार्नर और लाबुस्चागने ने लगाया अर्धशतक

एडिलेड (एजेंसी)।

डेविड वॉर्नर और मार्नस लाबुस्चागने के अर्धशतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को एडिलेड ओवल में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे सत्र में अपना दबदबा जारी रखा। पहले दिन चाय तक ऑस्ट्रेलिया 53 ओवरों में एक विकेट खोकर 129 पर था, जिसमें वार्नर (65) और लाबुस्चगने (53) ने बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 125 रनों की साझेदारी की।

संक्षिप्त स्कोरः

ऑस्ट्रेलिया 53 ओवर में 129/1 (डेविड वार्नर 65 नाबाद, मार्नस लाबुस्चागने 53 नाबाद, स्टुअर्ट ब्रॉड 1/27)।

शादी से पहले महिला शूटर ने उठाया ऐसा कदम, स्तब्ध हो गया खेल जगत

नई दिल्ली। झारखंड के धनबाद से एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसे जानकर आप भी दंग रह जायेंगे. यहां की रहने वाली नेशनल राइफल शूटर कोनिका लायक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. कोनिका के इस कदम से खेल जगत स्तब्ध हो गया है. कोनिका पिछले एक साल से पूर्व नेशनल प्लेयर जयदीप प्रमाकर के कोलकाता के उत्तर पाड़ा स्थित कैंप में ट्रेनिंग कर रहीं थीं. कोलकाता पुलिस ने बुधवार को कोनिका के पिता पार्थो लायक को फोन कर घटना की जानकारी देने के साथ ही मामले की जांच में जुट गई है. आपको बता दें कि कोनिका को बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने जर्मन राइफल गिफ्ट की थी. अभिनेता सोनू सूद ने ट्वीट कर कोनिका से कहा था कि मैं आपको राइफल दूंगा, आप देश को मेडल देना. मिली जानकारी के मुताबिक कोनिका की जल्द शादी होने वाली थी. पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं शादी को लेकर कोई विवाद तो नहीं था. इसके अलावा जब कोनिका गुजरात के अहमदाबाद में थी तो शूटिंग के दौरान उनके साथ छेड़खानी का मामला सामने आया था. पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या कोनिका पर कोई दबाव तो नहीं था? पुलिस को यह भी पता चला है कि कोच के साथ कोनिका के संबंध बेहतर नहीं थे. कोच से भी पुलिस पूछताछ कर रही है.

स्टुअर्ट ब्रॉड 150 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी बने

एडिलेड। तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के गुरुवार को एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एशेज टेस्ट के प्लेइंग इलेवन में शामिल होते ही उनके नाम एक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह 150 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे क्रिकेटर बन गए।

ब्रॉड टेस्ट इतिहास में 150वें टेस्ट मैचों में शिरकत करने वाले 10वें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस को नई गुलाबी गेंद से विकेटकीपर जोस बटलर द्वारा कैच करवाया आउट किया। जेम्स एंडरसन को भी एडिलेड टेस्ट के लिए प्लेइंग टीम में शामिल किया गया है। वह 167 टेस्ट के साथ ही इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने 161 टेस्ट खेले थे। एडिलेड ओवल में डे-नाइट टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा था, जब कप्तान पैट कमिंस को कोरोनो पॉजिटिव के संपर्क में आने के बाद मैच से बाहर कर दिया गया था, जिससे स्टीव स्मिथ को 2018 के बाद पहली बार टीम का नेतृत्व करने का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया एडिलेड ओवल में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे सत्र में इंग्लैंड पर हावी रहा और इस दौरान डेविड वार्नर और मार्नस लाबुस्चागने ने अर्धशतक जड़े। पहले दिन के चाय काल तक, ऑस्ट्रेलिया 53 ओवरों में 129/1 पर था, जिसमें वार्नर ने 65 और लाबुस्चागने (53) ने नाबाद 125 रनों की साझेदारी की।

आईपीएल 2022 ऑक्शनः इस खिलाड़ी को सीएसके ने नहीं किया रिटेन, अब दिए ये संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2022 की तैयारी चल रही है. सभी टीमों ने अपने पसंद के खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है. अब सबकी निगाहें मेगा ऑक्शन पर टिकीं हुई हैं. लेकिन मेगा ऑक्शन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने सोशल मीडिया पर एक ऐसे खिलाड़ी की तस्वीर पोस्ट की है, जो टीम को कई बार मझधार से बाहर निकाला है. लेकिन दिलचस्प यह है कि सीएसके ने इस खिलाड़ी के रिटेन नहीं किया है. हम जिस खिलाड़ी की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं बल्कि अंबाती रायुडू हैं.

आपको बता दें कि सीएसके ने अंबाती रायुडू की लंबी हिट लगाते हुए एक तस्वीर पोस्ट की है. इस पोस्ट पर सीएसके ने कैप्शन दिया है कि हमें धमाकेदार बाहुबली की याद आ रही है. आईपीएल 2022 के लिए सीएसके ने चार खिलाड़ियों को रिटेन किया है. सीएसके ने रविंद्र जडेजा, एमएस धोनी,मोईन अली और रितुराज गायकवाड़ को रिटेन किया है. इसके बाद भी अगर सीएसके अंबाती रायुडू की तस्वीर शेयर कर रही है तो संकेत साफ हैं कि टीम मेगा ऑक्शन में रायुडू के पीछे जरुर जाएगी.

आईपीएल 2022 : सुरेश रैना ने सीएसके से रिलीज होते ही शुरु किया ये काम

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 की तैयारी चल रही है. सभी टीमें रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी हैं. चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2022 के लिए चार खिलाड़ियों को रिटेन किया है. सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सीएसके ने आईपीएल 2022 के लिए टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी सुरेश रैना को रिलीज कर दिया है. आपको बता दें कि जब से सुरेश रैना सीएसके से रिलीज हुए हैं. वो सुर्खियों में बनें हुए हैं. सुरेश रैना को लेकर संभावनाओं का दौर जारी है. अब देखना है कि आईपीएल ऑक्शन में रैना किस टीम में शामिल होते हैं. लेकिन सोशल मीडिया पर रैना एक दूसरे मामले से भी सुर्खियों में आ गए हैं. आइये जानते हैं कि क्या है वो मामला. आपको बता दें कि मंगलवार 14 दिसंबर को सुरेश रैना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में सुरेश रैना किचन में सरसों का साग बनाते दिखाई दे रहे हैं. वीडियो में रैना ने कैप्शन दिया है कि सरसों के साग का सीजन यहां है.

वेस्ट हैम को हराकर आर्सनल प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर पहुंचा

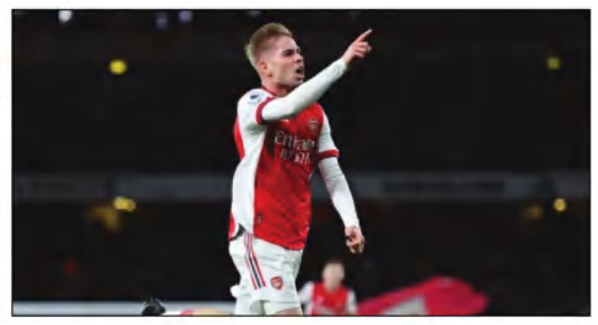

लंदन। गेब्रियल मार्टिनेली और एमिल स्मिथ रोवे के गोल से आर्सेनल प्रीमियर लीग में शीर्ष चार में पहुंच गया और वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 2-0 से शानदार जीत दर्ज की।

आर्सेनल ने पिछले पांच मैचों में से तीन की जीत हासिल की है और दो में हार मिली है। वहीं, टीम अब इस जीत के साथ चौथे स्थान पर है। टीम ने कुल 17 मैचों में नौ मैच जीते हैं। वेस्ट हैम यूनाइटेड ने पिछले पांच मैचों में से एक में जीत हासिल की है, दो में हार और दो मैच ड्रॉ खेले हैं। वहीं, टीम अब इस हार के साथ पांचवें स्थान पर है। टीम ने कुल 17 मैचों में आठ मैच जीते हैं।

3एक्स3 प्रो बास्केटबॉल लीग चंडीगढ़ में मार्च 2022 से होगा आयोजित

चंडीगढ़। बीएफआई के महासचिव चंद्र मुखी शर्मा ने गुरुवार को कहा भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) और 3एक्स3 प्रो बास्केटबॉल लीग भारतीय उप-महाद्वीप (3बीएल) अगले साल 5 से 27 मार्च तक चंडीगढ़ में 3बीएल सीजन का आयोजन करेंगे। लीग का दूसरा सीजन 2019 में आयोजित किया गया था।

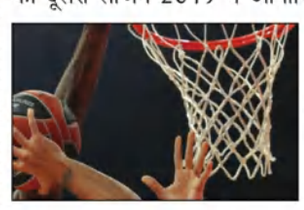

उन्होंने कहा, बीएफआई ने भारत में प्रोफेशनल बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के लिए 3बीएल को विशेष अधिकार दिए हैं। 3बीएल बास्केटबॉल एथलीटों को अतिरिक्त आय और एक्सपोजर प्रदान करेगा। इससे पहले शर्मा ने ट्वीट किया, भारतीय बास्केटबॉल महासंघ एक बार फिर खिलाड़ियों के लिए खड़ा हुआ है। 3एक्स3 पेशेवर लीग मार्च 2022 में चंडीगढ़ में होगी। हम सभी खिलाड़ियों की इस नए अध्याय में शानदार यात्रा की कामना करते हैं। पिछले सीजन की तरह, 3बीएल सीजन थ्री में 18 फ्रेंचाइजी (12 पुरुष और छह महिलाएं) आपस में भिड़ेंगी। 3एक्स3 बास्केटबॉल का एक रूप है, जो एक बास्केट के साथ हाफ कोर्ट पर थ्री-ए-साइड टीमों द्वारा खेला जाता है। खेल 10 मिनट तक चलता है और 21 अंक पर खेल खत्म हो जाता है। विजेता वह टीम घोषित की जाती है जिसने 10 मिनट के अंत में 21 या उच्चतम स्कोर बनाया है। यह बमिर्घम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी खेला जाएगा। भारत में 3बीएल लीग एक आधिकारिक लीग बन गई जब बीएफआई ने मई 2021 में इसे मान्यता दी, जिससे राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के इसमें भाग लेने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

बड़े दौरे से पहले किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं, कोहली की टाइमिंग गलतः कपिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व कप विजेता भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि कप्तानी के मसले पर बीसीसीआई से मतभेद उजागर करता विराट कोहली का बयान गलत समय पर आया है जिससे दक्षिण अफ्रीका के अहम दौरे से पहले अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। दक्षिण अफ्रीका रवानगी से पहले मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान को गलत बताया कि बोर्ड ने उनसे टी20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिये कहा था। इस बयान से कोहली और बीसीसीआई के बीच तनाव जगजाहिर हो गया है।

कपिल ने 'एबीपी न्यूज' से कहा ,'' इस समय किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा सामने है और उस पर ध्यान देना चाहिये।'' उन्होंने कहा ,'' मैं कहूंगा कि बोर्ड अध्यक्ष तो बोर्ड अध्यक्ष है हालांकि भारतीय टीम का कप्तान होना भी बड़ी बात है। एक दूसरे के बारे में हालांकि सार्वजनिक तौर पर खराब बोलना अच्छा नहीं है। चाहे वह सौरव हो या कोहली।'' भारत को 1983 विश्व कप दिलाने वाले कपिल ने कोहली से हालात पर नियंत्रण करके देश के बारे में सोचने की अपील की। उन्होंने कहा ,'' आप स्थिति को कंट्रोल कीजिये। बेहतर ये है कि आप देश के बारे में सोचिये। जो गलत है वो पता चल ही जायेगा लेकिन एक दौरे से पहले विवाद खड़ा करना सही नहीं है।'' कोहली की कप्तानी में भारतीय टेस्ट टीम बृहस्पतिवार को दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गई जहां 26 दिसंबर से सेंचुरियन में पहला टेस्ट खेला जाना है। उसके बाद तीन वनडे मैचों की श्रृंखला भी खेली जायेगी। बीसीसीआई ने कोहली के बयान पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

खेती को कैमिस्ट्री की लैब से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ना होगा : पीएम मोदी

आणंद (गुजरात), 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को कहा कि भले ही रसायन और उर्वरकों ने हरित क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो लेकिन अब खेती को रसायन की प्रयोगशाला से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ने का समय आ गया है...

और इस दिशा में कृषि से जुड़े प्राचीन ज्ञान को ना सिर्फ फिर से सीखने की जरूरत है बल्कि उसे आधुनिक समय के हिसाब से तराशने की भी आवश्यकता है।

प्राकृतिक खेती पर यहां आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि इस दिशा में नए सिरे से शोध करने होंगे और प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक सांचे में ढालना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती का सबसे अधिक लाभ छोटे किसानों को होगा और यदि वह प्राकृतिक खेती का रुख करेंगे तो उन्हें भी इसका लाभ होगा।

उन्होंने सभी राज्यों से प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, कृषि के अलग-अलग आयाम हो, खाद्य प्रसंस्करण हो या फिर प्राकृतिक खेती हो, यह विषय 21वीं सदी में भारतीय कृषि का कायाकल्प करने में बहुत मदद करेगा। आजादी के अमृत महोत्सव में आज समय अतीत का अवलोकन करने और उनके अनुभवों से सीख लेकर नए मार्ग बनाने का भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद के दशकों में जिस तरह देश में खेती हुई और जिस दिशा में वह बढ़ी, वह सभी ने बहुत बारीकी से देखा है।

उन्होंने कहा, अगले 25 वर्ष का जो हमारा सफर है, वह नई आवश्यकताओं और नयी चुनौतियों के अनुसार अपनी खेती को ढालने का है।

पिछले सात वर्ष में खेती और कृषि के क्षेत्र में उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में खेती को विभिन्न चुनौतियों से दो चार होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, यह सही है कि रसायन और उर्वरक ने हरित क्रांति में अहम रोल निभाया है लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हमें इसके विकल्पों पर भी साथ ही साथ काम करना होगा और अधिक ध्यान देना होगा।

उन्होंने कहा, इससे पहले खेती से जुड़ी समस्याएं भी विकराल हो जाएं, बड़े कदम उठाने का यह सही समय है। हमें अपनी खेती को कैमिस्ट्री की लैब से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ना ही होगा। जब मैं प्रकृति की प्रयोगशाला की बात करता हूं तो ये पूरी तरह से विज्ञान आधारित ही है।

उन्होंने कहा कि खेती में उपयोग होने वाले खाद और कीटनाशक दुनिया के विभिन्न कोनों से अरबों-खरबों रुपए खर्च करके लाना होता है और इस वजह से खेती की लागत भी बढ़ती है, किसान का खर्च बढ़ता है और गरीब की रसोई भी महंगी होती है।

उन्होंने कहा कि यह समस्या किसानों और सभी देशवासियों की सेहत से भी जुड़ी है, इसलिए सतर्क व जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कम लागत और ज्यादा मुनाफा ही प्राकृतिक खेती है और आज दुनिया जितनी आधुनिक हो रही है, उतना ही वह जड़ों से जुड़ रही है। इस शिखर सम्मेलन में प्राकृतिक खेती पर ध्यान केन्द्रित किया गया और किसानों को प्राकृतिक खेती के तरीके अपनाने के लाभों के बारे में सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई।

केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी इस सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित कई नेता व केंद्रीय मंत्री उपस्थित थे। पांच हजार से अधिक किसानों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कोरोना कहर में ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई एक भी मौत : योगी सरकार

लखनऊ, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को विधानपरिषद को बताया कि कोविड -19 की दूसरी लहर के दौरान राज्य में ऑक्सीजन की कमी के कारण किसी की मौत नहीं हुई। इस बयान के साथ योगी सरकार ने विपक्ष ने दावे को खारिज कर दिया।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने गुरुवार को कहा कि मृत्यु प्रमाण पत्र में महामारी के कारण मरने वाले 22,915 रोगियों में से किसी में भी ऑक्सीजन की कमी के कारण मृत्यु का कोई उल्लेख नहीं है। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सदस्य दीपक सिंह को जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने कहा, 'राज्य में दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से किसी की मौत की खबर नहीं है।

सदन में एक प्रश्न उठाते हुए कांग्रेस विधायक दीपक ने पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसे ही मामलों का विवरण है जो उसके अपने मंत्रियों द्वारा ध्वजांकित किए गए थे। कहा, 'कई मंत्रियों ने पत्र लिखकर कहा कि राज्य में ऑक्सीजन की कमी के कारण मौतें हो रही हैं। इसके अलावा कई सांसदों ने भी ऐसी शिकायतें की थीं। ऑक्सीजन की कमी से मौत की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। क्या पूरे राज्य में इन मौतों के बारे में सरकार के पास कोई जानकारी है? क्या सरकार ने गंगा में बहते हुए शवों और ऑक्सीजन की कमी से पीड़ित लोगों को नहीं देखा है?'

स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीज की मौत की स्थिति में डॉक्टर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करता है।

उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड -19 पीड़ितों के लिए डॉक्टरों द्वारा जारी किए गए 22,915 मृत्यु प्रमाण पत्रों में कहीं भी ऑक्सीजन की कमी के कारण मृत्यु का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान कई मौतें कई अन्य बीमारियों के कारण हुई थीं और सरकार ने कमी होने पर अन्य राज्यों से ऑक्सीजन की व्यवस्था की थी।

कांग्रेस विधायक दीपक ने यह भी तर्क दिया कि क्या ऑक्सीजन की कमी पर मंत्रियों द्वारा लिखे गए पत्र भी झूठे थे? सदन के नेता दिनेश शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री ने पूछे गए सवालों का जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों को यह स्वीकार करना चाहिए कि बड़ी संख्या में हताहतों की संख्या उत्तर प्रदेश सरकार की दवाओं और उपचार को सुनिश्चित करने की तत्परता के कारण टाली गई।

वहीं, समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक उदयवीर सिंह ने पहले कहा था, 'उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा के पारस अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की क्योंकि वहां एक डॉक्टर का वीडियो वायरल हो गया था। वहां आधे मरीजों को ऑक्सीजन दी गई और आधे की मौत हो गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर ऑक्सीजन की आपूर्ति रोक दी गई थी। उन्होंने जानना चाहा कि जब सरकार ने खुद मामले में कार्रवाई की है, तो वह सदन में 'झूठा बयान' कैसे दे सकती है।

जवाब में मंत्री जय प्रताप ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त की जांच रिपोर्ट में अस्पताल में एक 'मॉक ड्रिल' का उल्लेख किया गया था और इस दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति को कथित तौर पर रोक दिया गया था। उदयवीर ने मंत्री के जवाब पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अगर सरकार प्रमाण पत्र में 'मृत्यु' के बजाय 'विलुप्त' लिखती है तो 'सच्चाई नहीं बदलेगी'।

इससे पहले, सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई थी, जिसमें सपा सदस्यों ने लखीमपुर खीरी हिंसा पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग उठाई थी, जिसमें अक्टूबर में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। एसपी के नरेश उत्तम ने पूछा कि मिश्रा को बर्खास्त क्यों नहीं किया गया। हालांकि, चेयरमैन मानवेंद्र सिंह ने इसकी इजाजत नहीं दी। सपा सदस्य तख्तियां लेकर सदन के वेल में घुस गए, जिससे कुछ देर के लिए स्थगन हो गया।

एसएसबी की वर्षगांठ कार्यक्रम के लिए अजय मिश्रा को निमंत्रण, बवाल के आसार

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को आगामी 20 दिसंबर को मुख्य अतिथि के रूप में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 58वीं वर्षगांठ परेड में शामिल होने के लिए तैयार हैं। उधर, 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी हिंसा की जांच कर रहे एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के पूर्व नियोजित साजिश करार देते हुए टेनी के इस्तीफा देने या बर्खास्त करने की मांग के बीच यह सम्मान मिला है। लखीमपुर खीरी हिंसा में टेनी का बेटा आरोपी है। वहीं, बुधवार की एक वीडियो क्लिप में मंत्री को लखीमपुर में पत्रकारों को गाली देते हुए देखा गया, जिसने आग में घी का काम किया है। एसएसबी परेड कई सरकारी कार्यक्रमों में से एक है, अजय मिश्रा टेनी अगले चार दिनों में इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं।

एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'सभी को निमंत्रण भेज दिया गया है और उनके कार्यालय ने पुष्टि की है कि वह निश्चित रूप से समारोह में शामिल होंगे। न्यूज 18 के मुताबिक, मंत्री इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे और हमारी 58 वीं वर्षगांठ परेड के मुख्य अतिथि होंगे, जो सोमवार को दिल्ली में होने वाली है।'

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में कृषि कानूनों (अब निरस्त हो चुके) के विरोध में लौट रहे टेनी के बेटे आशीष मिश्रा और 12 अन्य लोगों के खिलाफ अक्टूबर में एक तेज रफ्तार एसयूवी ने चार किसानों और एक स्थानीय पत्रकार को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद हुई हिंसा में भाजपा के दो कार्यकर्ता और वाहन के चालक की मौत हो गई। इस घटना में कुल आठ लोगों की मौत हुई थी। राज्य में चुनाव से महीनों पहले हुई इस घटना में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इस घटना को 'पूर्व नियोजित साजिश' के रूप में अदालत में एसआईटी द्वारा प्रस्तुत किए जाने के बाद लखीमपुर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने इसे आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 326 (खतरनाक हथियारों से चोट पहुंचाना) को जोड़ने की अनुमति दी। एफआईआर में आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी हैं। शस्त्र अधिनियम के तहत प्रासंगिक आरोपों को भी जोड़ने की अनुमति दी गई, जबकि धारा 302 (हत्या) के तहत आरोपों को बरकरार रखा गया।

बुधवार को अपने बेटे के खिलाफ बढ़ाई गई धाराओं पर उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री टेनी ने लखीमपुर में पत्रकारों को 'चोर' कहते हुए अपना आपा खो दिया। पत्रकारों द्वारा सौंपे गए एक ज्ञापन में टेनी पर उनके साथ हाथापाई करने और एक रिपोर्टर का मोबाइल फोन छीनने का भी आरोप लगाया गया है।

साथ ही घटना का वीडियो भी सामने आया था। जिसमें टेनी 'मूर्खों की तरह सवाल मत पूछो। क्या तुम्हारा दिमाग फिर गया है? (दिमाग बुरा है क्या)' कहते हुए देखा और सुना जा सकता है। वीडियो में टेनी आगे कहते हैं, 'तुम क्या जानना चाहते हो? आपने एक निर्दोष को आरोपी बना दिया। शर्म नहीं आती?'

पत्रकारों के खिलाफ 'अभद्र भाषा' का इस्तेमाल करने के लिए केंद्रीय मंत्री की आलोचना करते हुए विपक्ष ने टेनी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों में गुरुवार को बार-बार व्यवधान देखा गया क्योंकि विपक्षी दलों ने लखीमपुर खीरी मामले में चर्चा की मांग की थी।

एक क्रिमिनल को बचा रहे हैं पीएम : प्रियंका

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। टेनी के बेटे लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आरोपी हैं। प्रियंका ने ट्वीट कर कहा, 'अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने से सरकार का इनकार उसके नैतिक दिवालियेपन का सबसे बड़ा संकेत है। नरेंद्र मोदी जी, सावधानी से धर्मपरायणता और धार्मिक पोशाक पहनने से यह तथ्य नहीं बदलेगा कि आप एक अपराधी की रक्षा कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त किया जाना चाहिए और कानून के अनुसार आरोप लगाया जाना चाहिए।'

गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक की छानबीन और साक्ष्यों के आधार पर दावा किया है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा 'टेनी' के पुत्र और उसके सहयोगियों द्वारा जानबूझकर, सुनियोजित साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया गया।

एसआईटी के मुख्य जांच निरीक्षक विद्याराम दिवाकर ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में दिये गये आवेदन में आरोपियों के विरुद्ध उपरोक्त आरोपों की धाराओं के तहत मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू और कुछ अन्य लोगों पर लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहे किसानों को जीप से कुचलने का आरोप है। इस घटना में और इसके बाद भड़की हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी।

हाईकोर्ट का यूपी सरकार का सवाल, गिरफ्तारी 302 की बजाय 306 में क्यों की गई

प्रयागराज, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। मैनपुरी में छात्रा की स्कूल में मौत के मामले में राज्य सरकार ने गुरुवार को हाईकोर्ट को बताया कि स्कूल की प्रधानाचार्या को गिरफ्तार कर लिया गया है। कहा गया कि प्रधानाचार्या की इस मौत मामले में गिरफ्तारी आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाने) के तहत की गई है। एसआईटी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि अब तक छात्रा की मौत को लेकर विवेचना में मिले साक्ष्य के आधार पर प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की गई है। कोर्ट ने कहा कि प्रिंसिपल पर लगी आईपीसी की धारा 302 कैसे हटाई गई और उसकी गिरफ्तारी धारा 306 में कैसे की गई। इस पर सरकार की ओर से कहा गया कि एसआईटी की विवेचना में अभी तक मिले साक्ष्य के आधार पर प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की गई है। आगे अगर विवेचना में हत्या से संबंधित साक्ष्य मिलते हैं तो तदनुसार धारा बदल दी जाएगी।

मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल एवं न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने मामले में 11 जनवरी को सुनवाई करने का निर्देश दिया है।

सुनवाई के दौरान खंडपीठ के समक्ष सरकार की तरफ से कहा गया कि अभी तक इस छात्रा की स्कूल परिसर में मौत को लेकर हत्या के साक्ष्य नहीं मिले हैं। एसआईटी ने हर संभव पहलू पर विचार किया। छात्रा ने आत्महत्या की है, जिसकी पारिवारिक वजह हो सकती है। कहा गया कि एसआईटी को छात्रा का लिखा एक पत्र मिला है। इसलिए उस एंगल से भी जांच जारी है।

हाईकोर्ट इस मामले में मैनपुरी के महेन्द्र प्रताप सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही है। सिंह खुद हाईकोर्ट में मृतक के न्याय की पैरवी कर रहे हैं। एसआईटी की तरफ से कहा गया कि मृतक छात्रा की मां इस विवेचना में सहयोग नहीं कर रही है। दो तिथियों पर सीआरपीसी की धारा 164 में बयान दर्ज कराने वह अदालत नहीं आई। उधर, मां के अधिवक्ता का कहना था कि वह दोनों तारीख पर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट गई थी लेकिन वकीलों की हड़ताल के कारण बयान नहीं हो सका था।

सरकार ने हाईकोर्ट से मां का नार्को टेस्ट कराने की भी मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि एसआईटी इसके लिए संबंधित अदालत में अर्जी दाखिल करे।

सरकार की तरफ से यह भी बताया गया कि सैकड़ों लोगों का जो संदिग्ध थे, उनकी डीएनए जांच कराई गई है लेकिन किसी का डीएनए मैच नहीं हुआ। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई पर कहा था कि दो साल बीतने के बावजूद नामजद आरोपी गिरफतार नहीं किए गए। क्या सरकार ऐसा डेटा दे सकती है कि जिसमें हत्या का मुकदमा नामजद हो और आरोपियों को बिना गिरफ्तार किए विवेचना की जा रही हो।

एससी पहुंचा गुरुग्राम नमाज विवाद, हरियाणा के टॉप अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की याचिका दायर

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। हरियाणा के गुरुग्राम में नमाज अदा को लेकर चल रह विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पूर्व राज्यसभा सांसद मोहम्मद अदीब ने हरियाणा सरकार के टॉप अधिकारियों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका दायर किया है। अपनी याचिका में अदीब ने आरोप लगाया है कि हरियाणा पुलिस और नागरिक प्रशासन उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है, जिन्होंने गुरुग्राम में मुसलमानों को सार्वजनिक जगह पर नमाज अदा करने से रोका था।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अदीब ने इस मामले में हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पीके अग्रवाल और मुख्य सचिव संजीव कौशल के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व सदस्य अदीब ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन ने नमाज विवाद को लेकर अभद्र भाषा के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। इसके अलावा उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि प्रशासन उन लोगों की पहचान करने में भी असफल रही है कि जो गुरुग्राम में नमाज को बार-बार रोककर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे थे।

गुरुग्राम में हाल ही में नमाज अदा करने को लेकर विवाद हो गया है। हिंदू समूहों और स्थानीय निवासियों ने एक आवासीय परिसर के पास खुले मैदान में नमाज अदा करने पर आपत्ति जताई थी। वहीं, खुले मैदान में नमाज अदा करने वाले ने दावा किया कि हर सप्ताह होने वाली नमाज के लिए एक चिन्हित स्थान है। वहीं, स्थानीय हिंदू ग्रुप और निवासी इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं, अदीब ने अपनी याचिका में कहा कि शुक्रवार की नमाज को खुले में रखने की अनुमति जगह और सुविधाओं की कमी के कारण दी गई थी।

याचिका में कहा गया है कि 3 दिसंबर को जब हिंदू समूहों ने शुक्रवार की नमाज का विरोध किया तो उपद्रवी तत्वों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद घटनाएं और बढ़ गईं और समूहों की ओर से नारेबाजी भी की गई थी। याचिका में कहा गया है कि स्थानीय प्रशासन की इस तरह की घटना को रोकने में असफल रहा है।

निजीकरण के खिलाफ सड़कों पर उतरे बैंक कर्मचारी, कामकाज ठप्प

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्र सरकार द्वारा तमाम सरकारी बैंकों का निजीकरण करने की योजना पर सरकारी बैंकों के लाखों कर्मचारी इस फैसले के खिलाफ खड़े हो गए हैं।

निजीकरण के विरोध में 16 और 17 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल भी जारी है। दिल्ली के जंतर मंतर पर भी सैंकड़ों की संख्या में बैंक कर्मचारी इकट्ठा हुए और सरकार इस फैसले को गलत बताया। हालांकि कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से आम जनता परेशान है। हड़ताल के कारण नकदी निकासी से लेकर जमा, व्यापार लेन-देन, ऋण प्रक्रिया, चेक समाशोधन, खाता खोलने और व्यावसायिक लेन-देन तक सभी बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

इस विरोध पर वॉइस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर अश्विनी राणा ने बताया कि देश भर के बैंकों के ट्रेंड यूनियन गुरुवार और शुक्रवार को राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल पर हैं। सरकार पब्लिक सेक्टर बैंकों को निजीकरण की ओर धकेल रही है। उसके खिलाफ यह हड़ताल की जा रही है। यूनियन और सरकार के बीच बातचीत भी हुई।

यूनियन का कहना था की यदि आप इस बजट सत्र में बैंकिंग अमेंडमेंट बिल को नहीं लाते तो हम यह हड़ताल को स्थगित कर देते, लेकिन सरकार की तरफ से कोई भी आश्वासन नहीं मिलने के कारण हम हड़ताल पर हैं।

दरअसल यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के मुताबिक, इस हड़ताल में सार्वजनिक क्षेत्र की 4,000 से भी अधिक शाखाओं के कर्मचारी शामिल होंगे। सरकार संसद के इसी सत्र में एक ऐसा कानून ला रही है, जिससे भविष्य में किसी भी सरकारी बैंक के निजीकरण का रास्ता साफ हो जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com